



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 44] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 4, 1978/कार्तिक 13, 1900  
No. 44] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 4, 1978/KARTIKA 13, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

### भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i) PART II—Section 3—Sub-Section (i)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर)  
केंद्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम  
जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उपनियम आदि सम्मिलित हैं

**General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc., of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)**

**विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय**

(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 17, अक्टूबर, 1978

सा०का०नि० 1297. —भारत सरकार, कम्पनी कार्य विभाग की अधिसूचना सं० सा० का० नि० 443(ड) तारीख 18 अक्तूबर, 1972 के साथ पठित, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उप-धारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तथा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (कम्पनी विधि प्रशासन विभाग) की अधिसूचना सं० सा०नि०भा० 3216 तारीख 4 अक्तूबर, 1957 की अधिसूचना (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अधिसूचना' कहा गया है) में आंशिक उपान्तर करते हुए कम्पनी विधि बोर्ड एतद्वारा यह निदेश देता है कि मससे निजीमैन कम्पनी लिमिटेड (जिसे इसमें इसके पश्चात् अधिसूचना कहा गया है) के मामले में, जो एक विदेशी कम्पनी है, उक्त धारा 594 की उप-धारा (1) के खण्ड (क) की अपेक्षाएँ जैसी कि वे किसी विदेशी कम्पनी के अपने लागू होने के सम्बन्ध में अधिसूचना द्वारा उपान्तरित की गई हैं, निम्नलिखित अन्य अपवादों तथा उपान्तरों के अध्याधीन रहते हुए लागू होंगी, अर्थात् :—

यदि 31-3-1977 तथा 31-3-1978 के वित्तीय वर्षों को समाप्ति की बाबत कम्पनी भारत में सम्बन्धित कम्पनी रजिस्ट्रार को, निम्नलिखित की तीन प्रतियाँ प्रस्तुत करें तो उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के उपबन्धों का पर्याप्त अनुपालन हुआ समझा जाएगा:—

(क) कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 592 की उप-धारा (1) के खण्ड (क) के अधीन भारत में प्रादेशिका तामील के लि प्राधिकृत व्यक्ति तथा भारत के शास-प्राप्त लेखापाल द्वारा प्रमाणित भारतीय शाखा द्वारा की गई प्राप्तियों तथा वितरणों का विवरण पत्र ;

(ख) ऊपर के पैरा (क) में वर्णित ढंग से प्रमाणित भारत में परि-संपत्तियों तथा वेनचरियों का विवरण-पत्र ;

(ग) ऊपर मद (क) में वर्णित व्यक्तियों से इस आशय का प्रमाण-पत्र कि कम्पनी ने भारत में इन वर्षों के मध्य कोई व्यापार नहीं किया है।

(घ) कम्पनी द्वारा इसके निगमन के देश में विहित प्राधिकारी को प्रस्तुत की गई शिपव लेखाओं की प्रति।

कम्पनी बोर्ड के आदेश से

[फाइल सं० 14/2/78 सी० एल० 6]

**MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS**  
(Department of Company Affairs)

**Company Law Board**

New Delhi, the 17th October, 1978

**G.S.R. 1297.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (1) of section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) read with the Government of India, Department of Company Affairs, Notification No. G.S.R. 443(F) dated the 18th October, 1972 and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Adminis-

tration) No. S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as the "Notification") the Company Law Board hereby directs that in the case of M/s. Nichimen Co., Ltd. (hereinafter referred to as "the Company") being a foreign company, the requirements of clause (a) of sub-section (1) of Section 594 as modified in their application to a foreign company by the notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely :—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of Sub-section (1) of said Section 594 in respect of the financial years ended 31st March, 1977 and 31st March, 1978, the company submits to the appropriate Registrars of Companies in India in triplicate :—

- (a) A statement of receipts and payments made by the Indian branch duly certified by the persons authorised to accept service to process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Companies Act, 1956 and a Chartered Accountant of India ;
- (b) A statement of the company's assets and liabilities in India certified in the manner as indicated in item (a) above ;
- (c) A certificate from the persons mentioned in item (a) above, to the effect that the company has not carried on any business in India during the year; and
- (d) Copy of its World accounts as submitted by the company with the prescribed authority in the country of its incorporation.

By order of the Company Law Board.

[File No. 14/2/78-CL. VI]

सां.कां.निं. 1298.—भारत सरकार कम्पनी कार्य विभाग की अधिसूचना सं० सां. कां. निं. (क) तारीख 18 अक्टूबर, 1972 के साथ पठित, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (कम्पनी विधि प्रशासन विभाग) की अधिसूचना सं० सां. कां. निं. 3216 तारीख 4 अक्टूबर, 1957 की अधिसूचना (जिसे इसमें इसके पश्चात् "अधिसूचना" कहा गया है) में आंशिक उपान्तर करते हुए कम्पनी विधि बोर्ड एतद्वारा यह निदेश देता है कि मैसर्स डब्ल्यू.टी. हैन-सेस टेलीग्राफ वर्क्स कम्पनी लिमिटेड (जिसे इसमें इसके पश्चात् "कम्पनी" कहा गया है) के मामले में, जो एक विदेशी कम्पनी है, उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खण्ड (क) की अपेक्षाएँ जैसी कि वे किसी विदेशी कम्पनी के अपने लागू होने के सम्बन्ध में अधिसूचना द्वारा उपान्तरित की गई हैं, निम्नलिखित अन्य उपवादों तथा उपान्तरों के अन्वयधीन रहते हुए लागू होंगी, अर्थात् :—

यदि 31 मार्च, 1978 की वित्तीय वर्ष समाप्ति की बाबत कम्पनी भारत में समुचित कम्पनी रजिस्ट्रार को अधिसूचना के खंड (1) के अनुसरण में तैयार किए गए, तथा इसके निगमन के देश में कम्पनी के लेख परीक्षकों द्वारा लेखा-परीक्षित तुलन-पत्र तथा लाभ-हानि लेख की तीन प्रतियाँ प्रस्तुत करें तो उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के उपबन्धों का पर्याप्त अनुपालन हुआ समझा जाएगा।

कम्पनी विधि बोर्ड के आदेश से

[फा० सं० 14/7/78-सी०एस०-6]

G.S.R. 1298.—In exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) read with the Government of India, Department of Company Affairs Notification No. G.S.R. 443 (E) dated the 18th October, 1972 and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance, Department of Company Law Administration, S.R.O. 3216 dated the 14th October, 1957 (hereinafter referred to

as the Notification, the Company Law Board hereby directs that in the case of M/s. W. T. Henlay's Telegraph Works Company Ltd. (hereinafter referred to as the company) being a foreign company, the requirements of clause (a) of Sub-section (1) of the said section 594 as modified in their application to a foreign company by the notification shall apply subject to the following further exceptions and modification namely :—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said Section 594, if in respect of the financial year ending the 31st March, 1978, the company submits to the appropriate Registrars of Company in India in triplicate the Balance Sheet and Profit and Loss Accounts prepared in terms of clause (i) of the Notification audited by the auditors of the company in the country of its incorporation.

By order of the Company Law Board.

[File No. 14/2/78-CL. VI]

सां.कां.निं. 1299.—भारत सरकार, कम्पनी कार्य विभाग की अधिसूचना सं० सां. कां. निं. 443 (क) तारीख 18 अक्टूबर, 1972 के साथ पठित, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तथा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (कम्पनी विधि प्रशासन विभाग) की अधिसूचना सं० सां. कां. निं. 3216 तारीख 4 अक्टूबर, 1957 की अधिसूचना (जिसे इसमें इसके पश्चात् "अधिसूचना" कहा गया है) में आंशिक उपान्तर करते हुए कम्पनी विधि बोर्ड एतद्वारा यह निदेश देता है कि मैसर्स किंग्सन चिल्ड्रन्स फंड इन्स. (जिसे इसमें इसके पश्चात् "कम्पनी" कहा गया है) के मामले में, जो एक विदेशी कम्पनी है, उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खण्ड (क) की अपेक्षाएँ जैसी कि वे किसी विदेशी कम्पनी के अपने लागू होने के सम्बन्ध में अधिसूचना द्वारा उपान्तरित की गई हैं, निम्नलिखित अन्य उपवादों तथा उपान्तरों के अन्वयधीन रहते हुए लागू होंगी, अर्थात् :—

यदि 30-6-76 व 30-6-77 के वित्तीय वर्षों की समाप्ति की बाबत कम्पनी भारत में समुचित कम्पनी रजिस्ट्रार को, निम्नलिखित की तीन प्रतियाँ प्रस्तुत करे तो उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के उपबन्धों का पर्याप्त अनुपालन हुआ समझा जाएगा।

(i) (1) कम्पनी के दो निवेशकों तथा (2) कम्पनी अधिनियम, की धारा 592 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) के अधीन भारत में आदेशिका तामील की प्राप्ति के लिए प्राधिकृत व्यक्ति तथा (3) भारत में कार्य कर रहे शास-प्राप्त लेखापाल द्वारा सम्यक्तः प्रमाणित भारतीय शाला द्वारा की गई प्राप्ति तथा विवरणों का विवरण-पत्र।

(ii) उपरोक्त मब (i) में वर्णित ढंग द्वारा प्रमाणित भारत में इसकी परिसम्पत्तियों तथा देयताओं का विवरण-पत्र, तथा

(iii) उपरोक्त मब (i) में वर्णित व्यक्तियों से इस आशय का प्रमाण-पत्र कि कम्पनी ने 30-6-76 तथा 30-6-77 के वर्षों के मध्य भारत में कोई व्यापार नहीं किया है।

कम्पनी विधि बोर्ड के आदेश से

[फाइल सं 14/5/78-सी०एस०-6]

G.S.R. 1299.—In exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) read with the Government of India, Department of Company Affairs, Notification No. G.S.R. 443 (E) dated the 18th October, 1972 and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance, Department of Company Law Administration No. S.R.O. 3216 dated 4th October, 1957 (hereinafter referred to as the Notification) the Company Law Board hereby directs that in case of M/s. Christian Children's Fund Inc. (hereinafter referred to as 'the company') being a foreign company, the requirements of clause (a) of sub-section (1) of said section 594 as modified in their application to a foreign company by the Notification shall apply

subjects to the following further exceptions and modifications, namely :—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594, if in respect of the financial year ended 30th June, 1976 and 30th June, 1977 the company submits to the appropriate Registrar of Companies in India in triplicate :—

- (i) A statement of receipts and payments made by the Indian Branch, certified by (1) two directors of the company (2) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act and (3) a Chartered Accountant of India.
- (ii) A statement of the company's assets and liabilities in India certified in the manner as indicated in item (i) above and;
- (iii) A certificate duly signed by persons as indicated in item (i) above that the company did not carry on any business in India during the year ended 30th June, 1976 and 30th June, 1977.

By order of the Company Law Board.

[File No. 14/5/78-CLVI]

सां.कां.निं 1300.—भारत सरकार, कम्पनी कार्य विभाग की अधिसूचना सं० सां. कां. निं 443 (क) तारीख 18 अक्टूबर 1972 के साथ पठित, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उप-धारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तथा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (कम्पनी विधि प्रशासन विभाग) की अधिसूचना सं० सां. निं. प्रा० 3216 तारीख 4 अक्टूबर, 1957 की अधिसूचना (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अधिसूचना' कहा गया है) में आंशिक उपान्तर करते हुए कम्पनी विधि बोर्ड एतद्वारा यह निदेश देता है कि मैसर्स वैक्यूम कंक्रीट (श्रीवरसीज) कम्पनी जी० एम० बी० एच० (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'कम्पनी' कहा गया है) के मामले में जो एक विदेशी कम्पनी है, उक्त धारा 594 की उप-धारा (1) के खण्ड (क) की अपेक्षाएँ जैसी कि वे किसी विदेशी कम्पनी के अपने लागू होने के सम्बन्ध में अधिसूचना द्वारा उपान्तरित की गई हैं, निम्नलिखित अन्य अपवादों तथा उपान्तरों के अधीन रहते हुए लागू होंगी, अर्थात्:—

यदि 31-12-1974 व 31-12-1975 के वित्तीय वर्षों की समाप्ति की बाबत कम्पनी भारत में समुचित कम्पनी रजिस्ट्रार को, निम्नलिखित की तीन प्रतियाँ प्रस्तुत करे तो उक्त धारा 594 की उप-धारा (1) के खण्ड (क) के उपबन्धों का पर्याप्त अनुपालन हुआ समझा जाएगा:—

- (1) कम्पनी के अपने मूल देश में विहित प्राधिकारी को प्रस्तुत की गई विषय लेख की प्रति;
- (2) कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 592 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) के अधीन भारत में आर्थिकता तामील की प्राप्ति के लिए प्राधिकृत व्यक्ति तथा कम्पनी के दो निदेशकों द्वारा सम्यक्तः प्रमाणित इसकी भारतीय शाखा द्वारा की गई प्राप्ति तथा वितरणों का विवरण-पत्र;
- (3) उपरोक्त मद (2) में वर्णित ढंग से प्रमाणित, भारत में इसकी परिसम्पत्तियों तथा वेयताओं का विवरण-पत्र; तथा
- (4) उपरोक्त मद (2) में वर्णित व्यक्तियों से इस आशय का प्रमाण पत्र कि कम्पनी ने भारत में अपने व्यापारिक स्थान की स्थापना के पश्चात् कोई व्यापार नहीं किया है।

कम्पनी विधि बोर्ड के आदेश से।

[फा० सं० 14/16 ए०/77सी० एल०-6]

G.S.R. 1300.—In exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) read with the Government of India, Department of Company Affairs, Notification No.

G.S.R. 443(E) dated the 18th October, 1972 and in partial modification of the Notification of the Government of India Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) S.R.O. No. 3216 dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as 'the Notification'), the Company Law Board hereby directs that in case of M/s. Vacuum Concrete (Overseas) Company, GmbH (hereinafter referred to as 'the company') being a foreign company the requirements of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594 as modified in their application to a foreign company by the notification shall apply subject to the following further exception and modifications, namely :—

"It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said Section 594, if in respect of the financial year ended 31st December, 1974 and 31st December, 1975 the company submit to the appropriate Registrars of Companies in India in triplicate :—

- (i) The copies of world accounts as filed by the company with the prescribed authority in the country of origin;
- (ii) A statement of receipts and disbursements made by the Indian Branch, duly certified by two directors of the company and the person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Companies Act, 1956;
- (iii) A statement of the Company's assets and liabilities in India, certified in the manner as indicated in item (ii) above; and
- (iv) A certificate from persons mentioned in item (ii) above to the effect that the company has not carried on any business in India since establishment of its place of business in India.

By order of the Company Law Board.

[F. No. 14/16A/77-CLVI]

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर, 1978

सां.कां.निं 1301.—भारत सरकार, कम्पनी कार्य विभाग की अधिसूचना सं० सां. कां. निं 443 (क) तारीख 18 अक्टूबर, 1972 के साथ पठित कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उप-धारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (कम्पनी विधि-प्रशासन विभाग) की अधिसूचना सं० सां. निं. प्रा० 3216 तारीख 4 अक्टूबर, 1957 की अधिसूचना (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अधिसूचना' कहा गया है) में आंशिक उपान्तर करते हुए कम्पनी विधि बोर्ड एतद्वारा यह निदेश देता है कि मै एशियाटिक स्टीमनेवीगेशन कम्पनी लिमिटेड (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'कम्पनी' कहा गया है) के मामले में, जो एक विदेशी कम्पनी है, उक्त धारा 594 की उप-धारा (1) के खण्ड (क) की अपेक्षाएँ जैसी कि वे किसी विदेशी कम्पनी के अपने लागू होने के सम्बन्ध में अधिसूचना द्वारा उपान्तरित की गई हैं, निम्नलिखित अन्य अपवादों तथा उपान्तरों के अधीन रहते हुए लागू होंगी, अर्थात्:—

यदि 31-12-75 तथा 31-12-76 के वित्तीय वर्षों की समाप्ति की बाबत कम्पनी भारत में समुचित कम्पनी रजिस्ट्रार को, निम्नलिखित की तीन प्रतियाँ प्रस्तुत करे तो उक्त धारा 594 की उप-धारा (1) के खण्ड (क) के उपबन्धों का पर्याप्त अनुपालन हुआ समझा जाएगा।

1. भारत में कार्य कर रहे शास-प्राप्त लेखापाल द्वारा सम्यक्तः लेखा-परीक्षित व कम्पनी के दो निदेशकों तथा कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 592 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) के अधीन भारत में आर्थिकता तामील की प्राप्ति के लिए प्राधिकृत प्राप्ति के लिए प्राधिकृत व्यक्तियों द्वारा प्रमाणित भारतीय शाखा द्वारा की गई प्राप्ति तथा वितरणों का विवरण-पत्र।

2. उपरोक्त मद (1) में वर्णित ढंग द्वारा प्रमाणित भारत में इसकी परिसम्पत्तियों तथा वेयताओं का विवरण-पत्र; तथा

3. उपरोक्त मद (1) में वर्णित व्यक्तियों से इस आशय का प्रमाण-पत्र कि कंपनी ने 31-12-75 तथा 31-12-76 के वित्तीय वर्षों की समाप्ति के मध्य भारत में कोई व्यापार नहीं किया।

कंपनी विधि बोर्ड के आदेश से।

[का० सं० 14/4/76-सी० एल०-6]

सी० खुशालदास, सचिव

New Delhi, the 19th October, 1978

**G.S.R. 1301.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) read with the Government of India, Department of Company Affairs, Notification No. G.S.R. 443(E) dated the 18th October, 1972 and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957, (hereinafter referred to as the 'Notification') the Company Law Board hereby directs that in the case of M/s. Asiatic Steam Navigation Company Ltd., London (hereinafter referred to as the Company) being a foreign company, the requirements of clause (a) of sub-section (1) of Section 594 as modified in their application to a foreign company by the Notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely :—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of said Section 594, if in respect of the financial years ended 31st December, 1975 and 31st December, 1976, the company submits to the appropriate Registrar of Companies, in India in triplicate :—

(i) Copy of statement of receipts and payments made by the Indian Branch, duly audited by a Chartered Accountant practising in India and certified by two directors of the company and the persons authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Companies Act, 1956.

(ii) Copy of statement of Assets and Liabilities as certified in the manner as indicated in item (i) above ;

(iii) Certificate from the persons mentioned in item (i) above to the effect that the company has not carried on any business in India during the financial year ended 31st December, 1975 and 31st December, 1976.

By order of the Company Law Board.

[F. No. 14/4/78-CLVI]

C. KUSHALDAS, Secy.

### गृह मंत्रालय

(कामिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर, 1978

सा० का० नि० 1302.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्था गृह मंत्रालय, कामिक और प्रशासनिक सुधार विभाग में उप-निदेशक (लेखा) के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम ब्रताते हैं अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्था, उप-निदेशक (लेखा) भर्ती नियम 1978 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वे होंगे जो इससे उपायुक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और ग्रहणाएँ आदि :—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, ग्रहणाएँ और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं :—

4. निरहताएँ :—वह व्यक्ति,—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है; या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो,

उक्त पद पर-नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूब हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम में प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. नियम शिथिल करने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या वर्गों के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा, शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति :—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे घातकों, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष वर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।

## अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	न्यूनतम पद अथवा अचयन पद	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
उपनिवेशक (लेखा)	2	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'क' राजपत्रित	1200-50-1600 रु०	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होंगी या नहीं	परिबीक्षा की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति—भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा परामर्श किया जाएगा	
8	9	10	11	12	13	
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : (i) केन्द्रीय सचिवालय सेवा के श्रेणी - I के अधिकारी (ii) अखिल भारतीय सेवा और केन्द्रीय सेवा समूह 'क' के अधिकारी जिन्होंने 5 वर्ष की नियमित सेवा की हो; (iii) केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी और केन्द्रीय सचिवालय प्राशुलिपिक सेवा के श्रेणी 'क' के अधिकारी जिन्होंने अपनी अपनी श्रेणी में 8 वर्ष की नियमित सेवा की हो; (iv) किसी भी संगठित लेखा विभाग जैसे भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग, भारतीय रेल लेखा विभाग, भारतीय रक्षा लेखा विभाग, भारतीय डाक और तार, लेखा और वित्त विभाग तथा भारतीय सिविल लेखा विभाग के लेखा परीक्षा/लेखा अधिकारी जिन्होंने उस श्रेणी में 7 वर्ष नियमित सेवा की हो। (v) 1100-1600 रु० या सम-तुल्य के वेतनमान में केन्द्रीय सरकार के अधीन के लागत लेखा अधिकारी या ऐसे अधिकारी जिन्होंने क्रमशः 700-1300 रु०/650-1200 रु० या समतुल्य के वेतनमान में कम से कम 6/8 वर्ष नियमित सेवा की हो और जिनके पास निम्नलिखित अर्हताएं हों।	लागू नहीं होता	समूह 'ख' के अधिकारी को प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त करते समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श आवश्यक है।	

आवश्यकः—

- (i) किसी मान्यता प्राप्त विश्व-विद्यालय की उपाधि या समतुल्य
- (ii) सरकार के प्रशासनिक तथा वित्तीय नियमों और विनियमों की जानकारी और अनुभव
- (iii) आधुनिक वित्त व्यवस्था की जानकारी

चाँछनीयः—

- (i) शिक्षण अनुभव
- (ii) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक या एक से अधिक विषयों की विशेष जानकारी
  - (क) व्यवहार विज्ञान
  - (ख) निर्णयन
  - (ग) प्रबन्ध सूचना पद्धति
  - (घ) आरंभिक सांख्यिकी
  - (ङ) कार्य संपादन बजट तैयार करना (प्रतिनियुक्ति की अवधि साधारणतः 4 वर्ष से अधिक नहीं होगी)

[सं० 13012/4/76-(ट्रे) 1]

(कु०) बी० वेण्पाडे, प्रवर सचिव

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

### (Department of Personnel and Administrative Reforms)

New Delhi, the 19th October, 1978

**G.S.R. 1302.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Deputy Director (Accounts) in the Institute of Secretariat Training and Management, Ministry of Home Affairs, Department of Personnel and Administrative Reforms, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Institute of Secretariat Training and Management Deputy Director (Accounts) Recruitment Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in Columns 2 to 4 of the Schedule hereto annexed.

3. Method of recruitment, age limit and other qualifications.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.

#### 4. Disqualifications.—No person,—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Powers to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Schedule Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

## SCHEDULE

Name of Post	No. of post	Classification	Scale of Pay	Whether Selection Post or Non-Selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Deputy Director (Accounts)	2	General Central Service Group 'A' Gazetted.	Rs. 1200-50-1600.	Not Applicable.	Not Applicable.	Not Applicable.
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment: whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists- what is its compositions	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment	
8	9	10	11	12	13	
Not Applicable.	Not-Applicable.	By transfer on deputation.	Transfer on deputation : (i) Grade I Officers of the Central Secretariat Service; (ii) Officers of the All India Services and Central Services, Group 'A' with 5 years regular Service; (iii) Section Officers of the Central Secretariat Service and Grade A Officers of the Central Secretariat Stenographers Service with at least 8 years' regular service in the respective grade; (iv) Audit/Accounts Officers with 7 Years' regular service in the grade from any of the organised Accounts Departments e.g., Indian Audit and Accounts Department, Indian Railway Accounts Department, Indian Defence Accounts Departments, Indian Posts and Telegraphs Accounts and Finance Department and Indian Civil Accounts Department. (v) Cost Accounts Officers under the Central Government in the scale of Rs. 1100-1600 or equivalent or with at least 6/8 years' regular service in the scale of Rs. 700-1300/650-1200 or equivalent respectively.	Not Applicable.	Consultation with the Union Public Service Commission necessary while appointing a Group 'B' Officer on deputation.	

8

9

10

11

12

13

and possessing the following qualifications:—

Essential :

- (i) Degree of a recognised University or equivalent.
- (ii) Knowledge and experience of Administrative and Financial Rules and Regulations of the Government.
- (iii) Knowledge of Modern Financial Management.

Desirable :

- (i) Teaching Experience.
- (ii) Specialised knowledge of any one or more of the following subjects:—
  - (a) Behavioural Sciences.
  - (b) Decision Making.
  - (c) Management Information Systems.
  - (d) Elementary Statistics.
  - (e) Performance Budgeting.

(Period of deputation shall ordinarily not exceed 4 years).

[No. 13012/4/76—Trg.-I]

MISS V. DESHPANDE, Under Secy.

### वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 1978

सं.कां.वि. 1303—संविधान के अनुच्छेद 309 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति एतद्वारा वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंक नोट प्रेस, देवास, श्रेणी III के पद) भर्ती नियमावली 1975 में धीरे धीरे संशोधन करते हुए निम्नलिखित नियम बनाते हैं; अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों को वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंक नोट प्रेस, देवास, श्रेणी III के पद) भर्ती (पाँचवाँ संशोधन) नियमावली, 1978 कहा जाएगा।

(2) ये नियम इनके सरकारी राजपत्र में प्रकाशित किए जाने की तारीख से लागू होंगे।

2. वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, (बैंक नोट प्रेस, देवास, श्रेणी III के पद) भर्ती नियमावली, 1975 की अनुसूची में "निरीक्षण निर्यन्त्रण" के पद से संबंधित कालम 12 में क्रम संख्या 15 के सामने "प्रतिनियुक्ति की अवधि 4 वर्षों से अधिक नहीं" शब्दों तथा धंक के स्थान पर—

"प्रतिनियुक्ति की अवधि 3 वर्षों से अधिक नहीं" शब्द तथा धंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

[सं. एक. 10/3/76-बी.एन.पी.]

एल.के. मल्होत्रा, धनर सचिव

### MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 30th September, 1978

G.S.R. 1303.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Bank Note Press, Dewas, Class III posts) Recruitment Rules, 1975, namely:—

1. (1) These rules may be called the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Bank Note Press, Dewas, Class III posts) Recruitment (5th Amendment) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Bank Note Press, Dewas, Class III posts) Recruitment Rules, 1975, against Serial number 15 relating to the post of "Inspector Control", in column 12, for the words and figure "Period of deputation not exceeding 4 years", the words and figure "Period of deputation not exceeding 3 years" shall be substituted.

[No. F. 10/3/76-BNP]

L. K. MALHOTRA, Under Secy.



## (सरकारी उद्यम कार्यालय)

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर, 1978

सांकांजि० 1304.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति महोदय ने वित्त मंत्रालय के सरकारी उद्यम कार्यालय में सहायक निदेशक और वरिष्ठ अन्वेषक (प्रबन्ध एवं सूचना और अनुसंधान प्रभाग) भर्ती नियम, 1970 का, जहाँ तक इनका सहायक निदेशक के पद से संबंध है, वित्त मंत्रालय के सरकारी उद्यम कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रबन्ध एवं सूचना और अनुसंधान प्रभाग) के पद पर भर्ती के तरीके का नियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाए हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त शीर्षक और प्रारम्भ:—(1) ये नियम वित्त मंत्रालय के सरकारी उद्यम कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रबन्ध एवं सूचना और अनुसंधान प्रभाग) भर्ती नियम, 1978 कहे जाएंगे।

(2) ये नियम उसी तारीख से लागू होंगे जिस तारीख को ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित किए जाएंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान:—पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और वेतनमा वही होगा जैसा कि संलग्न अनुसूची के कालम 2 से 4 में निर्दिष्ट किया गया है।

3. भर्ती का तरीका, आयु-सीमा, अर्हताएं आदि:—उक्त पद पर भर्ती का तरीका, आयु सीमा, अर्हताएं तथा उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जैसी कि उक्त अनुसूची के कालम 6 से 13 तक में निर्दिष्ट की गई हैं।

4. अनर्हताएं:—कोई भी व्यक्ति,—

(क) जिसने किसी ऐसे व्यक्ति से विवाह अथवा संविदागत विवाह किया हो, जिसका जीवन-साथी जीवित हो, अथवा

(ख) जिसने एक जीवन-साथी के जीवित रहते हुए किसी दूसरे व्यक्ति से विवाह अथवा संविदागत विवाह किया हो,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा:

किन्तु, यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो कि ऐसे व्यक्ति पर और उससे विवाह करने वाले दूसरे पक्ष पर लागू होने वाले व्यक्तिगत नियमों के अन्तर्गत इस प्रकार के विवाह की अनुमति दी जा सकती है और ऐसा करने के अन्य कारण भी हैं, तो वह उस व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।

5. छूट देने की शक्ति:—जिस मामले में केन्द्रीय सरकार का यह विचार हो कि इन नियमों के किन्हीं उपबन्धों में किसी श्रेणी या वर्ग के व्यक्तियों के सम्बन्ध में छूट देना आवश्यक या इष्टकर हो, वहाँ उसके लिए वह लिखित रूप में कारण बताकर और संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से छूट का आदेश दे सकती है।

6. व्यावृत्ति:—केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए सामान्य आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित आदिम जातियों तथा अन्य विशेष वर्गों के व्यक्तियों के लिए जो आरक्षण, आयु सीमा में छूट और अन्य रियायतें प्रदान की जाती हैं, उन पर इस नियमों के कारण किसी भी प्रकार से कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

## अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	सेलेक्शन (प्रवरण) पद अथवा भिन्न पद	सीधी भर्ती वालों के लिए आयु	सीधी भर्ती वालों के लिए शैक्षिक एवं अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
सहायक निदेशक (प्रबन्ध एवं सूचना और अनुसंधान प्रभाग)	7	सामान्य श्रेणी सेवा, समूह 'क' राज-पत्रित	700-40-900-५० रो०-40-1100-50-1300 रुपये	प्रवरण	35 वर्ष से अधिक न हो (सरकारी कर्मचारियों के मामले में छूट दी जा सकती है) टिप्पणी: उम्मीदवारों से भारत में (अण्डमान व निकोबार द्वीपसमूह एवं लक्षद्वीप को छोड़कर) आबेदन-पत्र प्राप्त किये जाने की अंतिम तारीख ही आयुसीमा निर्धारित करने की तिथि माना जाएगी।	अनिवार्य: किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से वाणिज्य/अर्थशास्त्र/सांख्यिकी/गणित में स्नातकोत्तर डिग्री या समकक्ष डिग्री। या व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर डिग्री या किसी मान्यता प्राप्त प्रबन्ध संस्थान से समकक्ष स्नातकोत्तर डिग्री (उम्मीदवारों के अन्यथा सुयोग्य होने पर, संघ लोक सेवा आयोग यदि चाहे तो अर्हताओं में छूट दे सकता है)। वांछनीय: सरकारी उद्यमों संबंधी समस्याओं के विषय में अनुभव, खासतौर से प्रबंध एवं प्रशासन संगठन, कार्यनिष्पादन सम्बन्धी गृह्यांकन, प्राधुनिक प्रबन्ध पद्धतियों का ज्ञान आदि।

क्या सीधी भर्ती वालों परीक्षा की अवधि के लिए निर्धारित प्राय और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति के मामले में लागू होंगी	यदि कोई हो	भर्ती का तरीका, सीधी भर्ती द्वारा अथवा प्रोन्नति द्वारा अथवा प्रतियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा और विभिन्न तरीकों द्वारा भरे जाने वाले रिक्त पदों का प्रतिपाद ।	प्रोन्नति/प्रतियुक्ति/स्थानान्तरण किए जाने को स्थिति में ग्रेड जिनसे प्रोन्नति/प्रतियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाता है	विभागीय प्रोन्नति समिति है जो उसका गठन	वे परिस्थितियां जिनमें भर्ती करते समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाना है
--	------------	---	---	--	---

8	9	10	11	12	13
नहीं	2 वर्ष	(1) 33½ प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा अन्यथा प्रतियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा (अल्पाधिक संविदा सहित) । (2) 33½ प्रतिशत प्रतियुक्ति पर स्थानान्तरण (अल्पाधिक संविदा सहित) स्थानान्तरण द्वारा अन्यथा सीधी भर्ती द्वारा । (3) 33½ प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा ।	प्रोन्नति : वरिष्ठ अन्वेषक (प्रबन्ध एवं सूचना और अनुसंधान प्रभाग) जो इस ग्रेड में नियमित नियुक्ति के बाद 5 वर्ष की सेवा का अनुभव रखते हों । प्रतियुक्ति पर स्थानान्तरण (अल्पाधिक संविदा सहित) / स्थानान्तरण : केन्द्रीय सरकारी सेवा के अधि-कारी/राज्य सरकारों/सरकारी उपक्रमों/स्थानीय निकायों के समान पदाधिकारी या 650-1200/500-900 रु० के वेतनमान या समकक्ष पदों में क्रमशः 3/5 वर्षों की नियमित सेवा का अनुभव रखने वाले पदाधिकारी जो सीधी भर्ती के उम्मीदवारों के लिए कालम 7 में निर्दिष्ट अर्हताएं और अनुभव रखते हों । (प्रतियुक्ति/संविदा की अवधि सामान्यतः 3 वर्ष से अधिक न होगी) ।	समूह 'क' विभागीय प्रोन्नति समिति— (1) अध्यक्ष/सदस्य, संघ लोक सेवा आयोग—अध्यक्ष (2) सलाहकार (वित्त) स० उ० का०—सदस्य (3) निदेशक स० उ० का०—सदस्य (4) उपसचिव स० उ० का०—सदस्य ।	चयन संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से किया जायगा

[सं० ए 12018/3/76-प्रशासन]

## (Bureau of Public Enterprises)

New Delhi, the 14th October, 1976

**G.S.R. 1304.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Ministry of Finance, Bureau of Public Enterprises, Assistant Director and Senior Investigator (Management and Information and Research Division) Recruitment Rules, 1971 in so far as these relate to the post of Assistant Director, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Assistant Director (Management and Information and Research Division) in the Bureau of Public Enterprises, Ministry of Finance, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rule may be called the Ministry of Finance, Bureau of Public Enterprises Assistant Director (Management and Information and Research Division) Recruitment Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of posts, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed hereto.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other

matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the said schedule.

## 4. Disqualification.—No person,

- who has entered into or contracted a marriage with any person, having a spouse living, or
- who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes and Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

## SCHEDULE

Name of Post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualification required for direct recruits	
1	2	3	4	5	6	7	
Assistant Director (Management & Information and Research Division)	7	General Central Service Group 'A' Gazetted.	Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300.	Selection.	Not exceeding 35 years (Relaxable for Government servants).	<p>Essential :</p> <p>Master's Degree in Commerce/ Economics/ Statistics/Mathematics from a recognised University or equivalent.</p> <p>OR</p> <p>Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).</p> <p>Master's Degree in Business Administration or equivalent Post Graduate Degree from any recognised Institute of Management.</p> <p>Qualification : Qualifications are relaxable at the discretion of the U.P.S.C. in case of the candidates otherwise well qualified.</p> <p>Desirable : Experience in dealing with problems relating to public enterprises particularly in the fields of management and administration organisation, evaluation of performance knowledge of modern business management practices etc.</p>	
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct rectt. or by promotion or by deputation / transfer and percentage of vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer grades from which promotion/deputation/transfer to be made		If a D.P.C. exists what is its composition	Circumstances in which Union public Service Commission is to be consulted in making recruitment	
8	9	10	11		12	13	
No	2 years	(i) 33½% by promotion failing which by transfer on deputation (including short-term contract) (ii) 33½% by transfer on deputation including short-term contract/transfer failing which by direct recruitment. (iii) 33½% by direct recruitment.	Promotion : Senior Investigators (Management and Information and Research Division) with 5 years' service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis. Transfer on deputation (including short-term contract) /transfer : Officers under the Central Government/State Governments/ Public Enterprises/ Local Bodies holding analogous posts or with 3/5 years' regular service in posts in the scale of Rs. 650-1200/550-900 or equivalent respectively and possessing qualifications and experience laid down for direct recruits in Column 7. (Period of deputation/contract shall ordinarily not exceed 3 years).		Group 'A' Departmental Promotion Committee. (i) Member, Union Public Service Commission —Chairman. (ii) Adviser (Finance) B.P.E.—Member (iii) Director, B.P.E.—Member. (iv) Deputy Secretary, B.P.E.—Member	Selection shall be made in consultation with Union Public Service Commission.	

नई दिल्ली, 18 अक्तूबर, 1978

सांका० 1305.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति महोदय ने वित्त मंत्रालय के सरकारी उच्चम कार्यालय में श्रेणी 1 और श्रेणी 2 के पद के भर्ती नियम, 1970 का जहाँ तक उस निदेशक के पद से सम्बन्ध है, अधिक्रमण करके वित्त मंत्रालय के सरकारी उच्चम कार्यालय में उप निदेशक (प्रबन्ध एवं सूचना और अनुसंधान प्रभाग) के पद पर भर्ती के तरीके का नियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाए हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त शीर्षक और प्रारम्भ:—(1) ये नियम वित्त मंत्रालय के सरकारी उच्चम कार्यालय में, उप निदेशक (प्रबन्ध एवं सूचना और अनुसंधान प्रभाग) के भर्ती, नियम, 1978 कहें जायेंगे।

(2) ये नियम उसी तारीख से लागू होंगे जिस तारीख को ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित किए जाएंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान:—पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और वेतनमान वही होगा जैसा कि संलग्न अनुसूची के कालम 2 से 4 में निविष्ट किया गया है।

3. भर्ती का तरीका, आयु सीमा, अर्हताएं आदि:—उक्त पद पर भर्ती का तरीका, आयु सीमा, अर्हताएं तथा उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जैसाकि उक्त अनुसूची के कालम 5 से 13 तक में निविष्ट की गई हैं:

4. अनर्हताएं:—कोई भी व्यक्ति—

(क) जिसने किसी ऐसे व्यक्ति से विवाह अथवा संविदागत विवाह किया हो, जिसका जीवन साथी जीवित हो, अथवा

(ख) जिसने एक जीवन-साथी के रहते हुए किसी दूसरे व्यक्ति से विवाह अथवा संविदागत विवाह किया हो,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा:

किन्तु, यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो कि ऐसे व्यक्ति पर और उससे विवाह करने वाले दूसरे पक्ष पर लागू होने वाले व्यक्तिगत नियमों के अन्तर्गत इस प्रकार के विवाह की अनुमति दी जा सकती है और ऐसा करने के अन्य कारण भी हैं, तो वह उस व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।

5. छूट देने की शक्ति:—जिस मामले में केन्द्रीय सरकार का यह विचार हो कि इन नियमों के किन्हीं उपबन्धों में किसी श्रेणी या वर्ग के व्यक्तियों के सम्बन्ध में छूट देना आवश्यक या इष्टकर हो, वहाँ उसके लिए वह लिखित रूप में कारण बताकर और संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से छूट का आदेश दे सकती है।

6. व्याप्ति:—केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर जारी किये गए सामान्य आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित आदिम जातियों तथा अन्य विशेष वर्गों के व्यक्तियों के लिए जो आरक्षण, आयु सीमा में छूट और अन्य रियायतें प्रदान की जाती हैं, उन पर इन नियमों के कारण किसी भी प्रकार से कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

#### अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	सामान्य वर्गीकरण	वेतनमान	सेलेक्शन (प्रचरण) पद अथवा भिन्न पद	सीधी भर्ती वालों के लिए आयु सीमा	सीधी भर्ती वालों के लिए शैक्षिक एवं अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
उपनिदेशक (प्रबन्ध एवं सूचना एवं अनुसंधान प्रभाग)	6	सामान्य केन्द्रीय सेवा, समूह 'क' राजपत्रित	1100-50-1600 रु०	प्रचरण	40 वर्ष से अधिक नहीं (सरकारी कर्मचारियों को छूट दी जा सकती है)	अनिवार्य: (1) मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से गणित/अर्थशास्त्र/सांख्यिकी/वाणिज्य में स्नातकोत्तर डिग्री या समकक्ष या टिप्पणी: उम्मीदवारों से भारत में (अंशमान व निकोबार द्वीप समूह एवं लक्षद्वीप को छोड़कर) आवेदन-पत्र प्राप्त किये जाने की अंतिम तारीख ही आयु सीमा निर्धारित करने की निर्णायक तारीख मानी जाएगी। या व्यवसाय प्रबन्ध में स्नातकोत्तर डिग्री या किसी मान्यता प्राप्त प्रबन्ध संस्थान से समकक्ष स्नातकोत्तर डिग्री। (2) सरकारी उच्चमों से संबंधित समस्याओं के विषय में 5 वर्ष का अनुभव, विशेषकर प्रबन्ध और प्रशासन, संगठन कार्य निष्पादन का मूल्यांकन, आधुनिक व्यवसाय प्रबन्ध पद्धतियों आदि के क्षेत्र में। टिप्पणी 1. उम्मीदवारों के अन्यथा सुयोग्य होने पर संघ लोक सेवा

1	2	3	4	5	6	7
						आयोग यदि चाहे तो अर्हताओं में छूट दे सकता है।
						टिप्पणी 2. चयन के किसी स्तर पर यदि संघ लोक सेवा आयोग का यह मत हो कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित आदिम जाति के उम्मीदवारों के आरक्षित पदों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले इन जातियों के उम्मीदवार संभवतः पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं होंगे, तो संघ लोक सेवा आयोग, यदि चाहे, तो अनुभव संबंधी अर्हता(ओं) में ढील दे सकता है।
सीधी भर्ती वालों के लिए निर्धारित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति के मामले में भी लागू होंगी	परिक्षा की अवधि, यदि कोई हो	भर्ती का तरीका, सीधी भर्ती द्वारा अथवा प्रोन्नति द्वारा अथवा प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा और विभिन्न तरीकों द्वारा भरे जाने वाले रिक्त पदों का प्रतिशत	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किये जाने की स्थिति में ग्रेड जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाता है	विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसका गठन	वे परिशिष्ट दी गिने भर्ती करते समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाना है	
8	9	10	11	12	13	
नहीं	2 वर्ष	33 $\frac{1}{3}$ प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा अन्यथा प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा। 66 $\frac{2}{3}$ प्रतिशत प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण/स्थानान्तरण अन्यथा सीधी भर्ती द्वारा।	प्रोन्नति : सहायक निदेशक (प्रबन्ध एवं सूचना और अनुसंधान प्रभाग) के पद पर इस ग्रेड में नियमित नियुक्ति के बाद 5 वर्ष का सेवा काल। प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : (अल्पावधिक संविदा सहित/स्थानान्तरण : केन्द्रीय सरकार के अधिकारी या सरकारी उपक्रमों अन्यथा राज्य सरकारों के समान पदाधिकारी या 700-1300/650-1200 रुपये के वेतनमान के पदों या समकक्ष पदों में कमरा 5/8 वर्ष की नियमित सेवा वाले पदाधिकारी जो कालम 7 में सीधी भर्ती वाले उम्मीदवारों के लिए निविष्ट शैक्षिक अर्हताएं और अनुभव रखते हों। (प्रतिनियुक्ति/संविदा की अवधि सामान्यतः 4 वर्ष से अधिक न होगी)।	समूह 'क' विभागीय प्रोन्नति समिति (1) अध्यक्ष/सदस्य, संघ लोक सेवा आयोग—अध्यक्ष (2) सलाहकार (वित्त), स०उ०का०—सदस्य (3) निदेशक, स०उ०का०—सदस्य। (4) उपसचिव, स०उ०का०—सदस्य।	केन्द्रीय सरकार सेवा समूह 'क' के किसी अधिकारी की प्रतिनियुक्ति के अलावा संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से किया जाएगा।	

[सं० 12018/7/75—प्रशासन]

प्रेम कुमार, उप सचिव

New Delhi, the 18th October, 1978

**G.S.R. 1305.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Ministry of Finance, Bureau of Public Enterprises Class I and Class II Recruitment Rules, 1970 in so far as these relate to the post of Deputy Director, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Deputy Director (Management and Information

and Research Division) in the Bureau of Public Enterprises, Ministry of Finance, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rule may be called the Ministry of Finance, Bureau of Public Enterprises, Deputy Director (Management and Information and Research Division) Recruitment Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of posts, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed hereto.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the said schedule.

4. Disqualification.—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with any person, having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

#### SCHEDULE

Name of Post	No. of Posts	Classification	Scale of Pay	Whether selection Post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualification required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Deputy Director (Management and Information and Research Division)	6	General Central Service Group 'A' Gazetted.	Rs. 1100-50-1600.	Selection.	Not exceeding 40 years (Relaxable for Government servants).	Essential : (i) Master's degree in Mathematics/Economics/Statistics/Commerce from a recognised University or equivalent.  OR Master's Degree in Business Administration or equivalent Post-graduate degree from any recognised Institute of Management. (ii) 5 years' experience in dealing with problems relating to Public Enterprises, particularly in the fields of management and administration, organisation, evaluation of performance, knowledge of modern business management practices etc.
					Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).	Note 1 : Qualifications are relaxable at the discretion of the U.P.S.C. in case of candidates otherwise well qualified.  Note 2 : The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the U.P.S.C. in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes if, at any stage of selection, the UPSC. is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes and Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of Probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a D.P.C. exists what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment
8	9	10	11	12	13
No	2 years	33½% by promotion failing which by transfer on deputation. 66½% by transfer on deputation/transfer failing which by direct recruitment.	Promotion: Assistant Directors (Management & Information and Research Division) with 5 years' service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis.  Transfer on deputation (including short-term contract)/transfer:  Officers under the Central Government, or Public Undertakings failing which under the State Governments holding analogous posts or with 5/8 years' regular service in posts in the scale of Rs. 700—1300/650-1200 or equivalent respectively and possessing the educational qualifications and experience laid down for direct recruits in Column 7. (Period of deputation/contract shall ordinarily not exceed 4 years).	Group 'A' Departmental Promotion Committee:— (i) Chairman/Member, Union, Public Service Commission—Chairman. (ii) Adviser (Finance), B.P.E.—Member. (iii) Director, B.P.E.—Member. (iv) Deputy Secretary, B.P.E.—Member.	Selection shall be made in consultation with the Union Public Service Commission except while appointing in a Central Government Group 'A' Officer on deputation.

[No. A-12018/7/75—Admin.]  
PREM KUMAR, Dy. Secy.

## (व्यय विभाग)

नई दिल्ली, 20 सितम्बर, 1978

सां.कां.वि० 1306.—राष्ट्रपतिजी ने तत्काल प्रभावी से निम्नलिखित ग्रेडों की एक केन्द्रीय सेवा का गठन किया है, जो भारतीय लागत लेखा सेवा (समूह 'क') के नाम से जाना जाएगा:—

## ग्रेड I

- (1) मुख्य कलाकार (लागत) (वेतनमान : 3000 रु० नियत)  
(2) निदेशक (लागत) (वेतनमान : 2000-2250 रु०)

## ग्रेड II

- संयुक्त निवेशक (लागत) (वेतनमान : 1500-2000 रु०)

## ग्रेड III

- उप निदेशक (लागत) (वेतनमान : 1100-1600 रु०)

## ग्रेड IV

- सहायक निवेशक (लागत) (वेतनमान : 700-1300 रु०)।

भारतीय लागत लेखा सेवा के सेवा संबंधी नियम बाद में अधिसूचित किए जाएंगे।

[सं० ए० 12018/1/78-संख्या 1 (क)]  
स्व० न० माधुर, उप सचिव

## ((Department of Expenditure))

New Delhi, the 20th September, 1978

G.S.R. 1306.—The President is pleased to constitute with immediate effect a Central Service to be known as the Indian Cost Accounts Service (Group 'A') with the following grades:—

## Grade I

- (i) Chief Adviser (Cost) (Scale : Rs. 3000 fixed)  
(ii) Director (Cost) (Scale : Rs. 2000-2250)

## Grade II

- Joint Director (Cost) (Scale : Rs. 1500-2000)

## Grade III

- Deputy Director (Cost) (Scale : Rs. 1100-1600)

## Grade IV

- Assistant Director (Cost) (Scale : Rs. 700-1300).

2. The Service Rules of the Indian Cost Accounts Service will be notified later.

[No. A-12018/1/78-E.I(A)]  
S. N. MATHUR, Dy. Secy.

## स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर, 1978

सांका०नि० 1307.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद्वारा होम्योपैथिक भेषज संहिता प्रयोगशाला, गाजियाबाद (समूह 'क' तकनीकी पद) भर्ती नियम, 1977 को संशोधित करने के लिए निम्नलिखित और नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम होम्योपैथिक भेषज संहिता प्रयोगशाला, गाजियाबाद (समूह 'क' तकनीकी पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1978 है।  
(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. होम्योपैथिक भेषज संहिता प्रयोगशाला, गाजियाबाद (समूह 'क' तकनीकी पद) भर्ती नियमावली, 1977 में :—  
(1) प्रस्तावना में वर्तमान प्रविष्टि "और (2) वैज्ञानिक अधिकारी (भेषजगुण विज्ञान)" के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—“(2) वैज्ञानिक अधिकारी [भेषजगुण विज्ञान और (3) वैज्ञानिक अधिकारी सूक्ष्म जीव विज्ञान]”  
(2) अनुसूची में मद '2' के बाव और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित मद और प्रविष्टियाँ रखी जाएँ, अर्थात् :—

## अनुसूची

पदनाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	क्या सेलेक्शन पद अथवा गैर-सेलेक्शन पद	सीधी भर्ती के लिए आयु-सीमा	सीधी भर्ती के लिए अपेक्षित अन्य ग्रहंताएं	तथा
1	2	3	4	5	6	7	
2 वैज्ञानिक अधिकारी (सूक्ष्म जीव विज्ञान)	1	सामान्य केन्द्रीय सेवा समूह 'क' राजपत्रित	700-40-900-३०००- 40-1100-50- 1300 रुपये	लागू नहीं होता	25 वर्ष से अधिक नहीं (सरकारी कर्मचारियों के लिए शिथिलनीय) टिप्पणी :—आयु सीमा निश्चित करने की निर्णायक तारीख भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तारीख होगी। (उनसे भिन्न जो अण्डमान और निकोबार तथा लक्षद्वीप में रहते हैं)	अनिवार्य : (1) किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय से सूक्ष्मजीव विज्ञान/जीव विज्ञान में एम०एस्०सी० डिग्री अथवा समतुल्य ग्रहंता। (2) रोग निदान के संबंध में उपयोग किए जाने वाले सूक्ष्म जीव विज्ञान संबंधी अध्ययनों/सूक्ष्म जीव विज्ञान संबंधी उत्पादों के मानकीकरण में तीन वर्ष का अनुभव। टिप्पणी 1 : अन्यथा सुयोग्य उम्मीदवारों के मामले में संघ लोक सेवा आयोग के विवेक पर ग्रहंताएं शिथिलनीय हैं। टिप्पणी 2 : यदि जयन की किसी अवस्था में संघ लोक सेवा आयोग की यह राय हो कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने हेतु अपेक्षित अनुभव रखने वाले इन समुदायों के उम्मीदवार पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हो सकेंगे तो इन जातियों के उम्मीदवारों के मामले में संघ लोक सेवा आयोग के विवेक पर अनुभव संबंधी ग्रहंता/ग्रहंताएं शिथिलनीय हैं/हैं।	विष्व-

वांछनीय :

संबंधित विषय में डॉक्टोरेट डिग्री।



किस पदोन्नति से रहे जाने वाले उम्मीदवारों के मामले में सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के निर्धारित आयु और शैक्षिक महँताएं लागू होंगी	परिवर्तना को भर्ती का तरीका सीधी भर्ती द्वारा या पदोन्नति के द्वारा अथवा स्थानान्तरण के द्वारा तथा विभिन्न तरीकों द्वारा भरे जाने वाले पदों की प्रतिशतता	पदोन्नति या प्रतिनियुक्त या स्थानान्तरण के द्वारा भर्ती के मामले में वे ग्रेड जिनसे पदोन्नति या प्रतिनियुक्ति या स्थानान्तरण किया जाना है	यदि विभागीय पदोन्नति समिति है तो उसका क्या गठन है।	परिस्थितियाँ जिनमें भर्ती के लिए संघीय लोक सेवा आयोग से परामर्श लिया जाता है
---	--	---	--	--

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	दो वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	समूह 'क' प्रोन्नति समिति-1 (पुष्टिकरण पर विचार करने के लिए) 1. संयुक्त सचिव—अध्यक्ष (होम्योपैथी का कार्य देखने वाले) 2. सलाहकार—सब्सय (होम्योपैथी) 3. उप सचिव—सब्सय (होम्योपैथी प्रभाग)	सीधी भर्ती के समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श लेना आवश्यक है।

[सं० ए-12018/1/77—होम्यो]

जे० सी० वास, डेस्क अधिकारी

**MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE**

New Delhi, the 18th October, 1978

**G.S.R. 1307.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Homoeopathic Pharmacopocial Laboratory, Ghaziabad (Group 'A' Technical Posts) Recruitment Rules, 1977, namely :—

1. (1) These rules may be called the Homoeopathic Pharmacopocial Laboratory, Ghaziabad (Group 'A' Technical Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Homoeopathic Pharmacopocial Laboratory, Ghaziabad (Group 'A' Technical Posts) Recruitment Rules, 1977 :—

(1) In the preamble, for the existing entry "and (ii) Scientific Officer (Pharmacology)", the following entry shall be substituted, namely :—

"(ii) Scientific Officer (Pharmacology) and (iii) Scientific Officer (Microbiology)."

(2) In the Schedule, after item 2 and the entries relating thereto, the following item and entries thereof shall be inserted, namely :—

**SCHEDULE**

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
3. Scientific Officer (Microbiology)	1	General Central Service Group 'A' Gazetted	700-40-900-EB-40-1100-50-1300.	Not applicable	Not exceeding 35 years. (Relaxable for Government servants). Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of application from candidates	Essential : (i) M.Sc. Degree in Microbiology/Bacteriology of a recognised University or equivalent. (ii) Three years' experience in Microbiological studies/standardisation of Microbiological products used clinically. Note 1 : Qualifications are relaxable at the discretion of the U.P.S.C. in case of can-

in India (other than those in Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep).  
 didates otherwise well qualified. Note 2 : The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the U.P.S.C. in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes, if at any stage of selection, the U.P.S.C. is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.

Desirable :

Doctorate Degree in the subject concerned.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of Probation, if any	Method of recruitment, whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer is to be made	If a DPC exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment
8	7	10	11	12	13
Not applicable	Two years	By direct recruitment	Not applicable	Group 'A' Departmental Promotion Committee (for considering confirmation) :— 1. Joint Secretary (dealing with Homoeopathy)—Chairman 2. Adviser (Homoeopathy)—Member. 3. Deputy Secretary (Homoeopathy Division)—Member	Consultation with the Union Public Service Commission necessary while making direct recruitment.

[No. A-12018/1/77-Homoeo]

J. C. DAS, Desk Officer

### समाज कल्याण विभाग

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर, 1978

सांका०नि० 1308.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रीय समाज रक्षा संस्थान, समाज कल्याण विभाग (आशुलिपिक) भर्ती नियम, 1977 को संशोधित करने के लिए निम्नलिखित नियम एतद्वारा बनाते हैं, अर्थात् :—

- (1) इन नियमों का नाम राष्ट्रीय समाज रक्षा संस्थान, समाज कल्याण विभाग (आशुलिपिक) भर्ती (संशोधित) नियम, 1978 होगा।
- (2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।
2. राष्ट्रीय समाज रक्षा संस्थान, समाज कल्याण विभाग (आशुलिपिक) भर्ती नियम, 1977 में :—  
(1) नियम 6 के स्थान पर निम्नलिखित नियम होगा, अर्थात् :—

“6. अपवाद :—इन नियमों की कोई भी बात उन आरक्षणों और उन रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर निकाले गये आदेशों के अनुसार अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति और अन्य विशेष वर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबंध किया जाना अपेक्षित है।”

- (2) अनुसूची के स्थान पर निम्नलिखित अनुसूची होगी, अर्थात् :—

## अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन अथवा प्रचयन पद	सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु	सीधी भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के संबंध में शैक्षिक तथा अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7

भाषालिपिक	6	सामान्य केन्द्रीय सेवा वर्ग "ग" अराजपत्रित लिपिकवर्गीय	330-10-380-द० रो०-12-500-द० रो०-15-560 रुपये	प्रचयन	18 से 24 वर्ष (सरकारी कर्मचारियों के मामले में 35 वर्ष की आयु तक छूट दी जा सकती है।)	(1) मैट्रिकुलेशन अथवा उसके बराबर। (2) भाषालिपिक में 100 शब्द प्रति मिनट की गति और अंग्रेजी टाइपराइटिंग में 40 शब्द प्रति मिनट की गति।
-----------	---	--	--	--------	---	--

नोट : (1) रोजगार कार्यालय के माध्यम से भर्ती किये जाने वाले पदों के बारे में आयु सीमा निर्धारित करने के लिए निर्णायक तिथि यह होगी जो कि रोजगार कार्यालय को नाम भेजने की अंतिम तिथि दी गई हो।

नोट : (2) आयु सीमा निर्धारित करने के लिए निर्णायक तिथि भारत में (संठमान और निकोबार द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप को छोड़कर) उम्मीदवारों से प्राप्ति पत्र प्राप्त की अंतिम तिथि होगी।

क्या सीधी भर्ती किये परीक्षा की जाने वाले व्यक्तियों के अधि, यदि हो लिए विहित आयु तथा शैक्षिक अर्हताएं पदोन्नति की दशा में भी लागू होंगी	भर्ती की पद्धति, भर्ती सीधी होगी या पदोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति से अथवा स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	पदोन्नति अथवा प्रतिनियुक्ति अथवा स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे ग्रैंड जिनसे पदोन्नति अथवा प्रतिनियुक्ति अथवा स्थानान्तरण किया जाएगा	यदि विभागीय पदोन्नति समिति विद्यमान है, तो उसकी संरचना।	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा
--	---	--	---	---

1. आयु : नहीं	दो वर्ष	1. 25 प्रतिशत पदोन्नति के द्वारा और	पदोन्नति : ग्रेड में 3 वर्ष की नियमित सेवा सहित निम्न श्रेणी लिपिक तथा जिनके पास सीधी भर्ती के लिए निर्धारित अर्हताएं मौजूद हों। प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : सीधी भर्ती के लिए निर्धारित अर्हताएं रखने वाले केन्द्रीय अथवा राज्य सरकारों के कर्मचारी जो कि 330-560 रु० के वेतनमान में समान अथवा समकक्ष वर्गों पर कार्यरत हैं। (प्रतिनियुक्ति की अवधि साधारणतया 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी।)	विभागीय पदोन्नति समिति जिसमें निम्नलिखित अधिकारी शामिल होंगे :— 1. निदेशक, राष्ट्रीय समाज रक्षा संस्थान—प्रध्यक्ष 2. प्रभाग के प्रधान अधिकारी—सदस्य 3. प्रशासनिक अधिकारी—सदस्य	लागू नहीं।
2. अर्हताएं : हां		2. 75 प्रतिशत प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा, इन दोनों के न होने पर सीधी भर्ती द्वारा।			

[सं० 19-12/66-एस० बी०]

बी० एन० बहादुर, उप सचिव

## DEPARTMENT OF SOCIAL WELFARE

New Delhi, the 16th October, 1978

**G.S.R. 1308.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the National Institute of Social Defence, Department of Social Welfare (Stenographer) Recruitment Rules, 1977, namely :—

1. (1) These rules may be called the National Institute of Social Defence, Department of Social Welfare (Stenographer) Recruitment (Amendment) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the National Institute of Social Defence, Department of Social Welfare (Stenographer) Recruitment Rules, 1977,—

(i) for rule 6, the following rule shall be substituted, namely :—

"6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the central Government from time to time in this regard."

(ii) for the Schedule, the following Schedule shall be substituted, namely :—

## SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Stenographer	6	General Central Service Group C, Non-Gazetted Ministerial.	Rs. 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560.	Non-Selection	Between 18 to 24 years. (Relaxable upto 35 years in case of Govt. Servants). Note 1 : The crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit the names. Note 2 : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).	(i) Matriculation or equivalent qualification. (ii) Speed of 100 words per minute in shorthand and 40 words per minute in Typewriting in English.

Whether age and Educational qualification prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation or transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion or deputation or transfer, grades from which promotion or deputation or transfer to be made	If a Departmental promotion Committee exists what is its composition	Circumstances in which the Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment
8	9	10	11	12	13
(i) Age : No (ii) Qualifications: Yes.	2 years	(i) 25% by promotion, and (ii) 75% by transfer on deputation failing which by direct recruitment.	Promotion: Lower Division Clerks with 3 years' regular service in the grade and possessing the qualifications prescribed for direct recruits. Transfer on deputation :  Officers from the Central or State Governments holding analogous or equivalent posts in the scale of Rs. 330—560 and possessing the qualifications prescribed for the direct recruits.  (Period of deputation ordinarily not exceeding 3 years.)	Departmental Promotion Committee consisting of : (i) Director National Institute of Social Defence—Chairman (ii) Head of Division—Member  (iii) Administrative Officer—Member.	Not applicable

[No. F. 19-12/66-SD]

B.N. BAHADUR, Dy. Secy.

## नौबहन और परीबहन मंत्रालय

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर, 1978

## (परिबहन पत्र)

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर, 1978

सं.का.निं. 1309.—महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त अधिनियम की धारा 28 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कोचीन के पत्तन के न्यासियों के मण्डल द्वारा निर्मित और केरल सरकार के तारीख 27 जून, 1978 और 4 जुलाई, 1978 के राजपत्र में प्रकाशित "कोचीन पत्तन कर्मचारी (सामान्य भविष्य निधि) प्रथम संशोधन विनियम, 1978" का अनुमोदन करती है।

[सं. पी ई एक्स (46)/78]

## MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

## (Transport Wing)

New Delhi, the 17th October, 1978

G.S.R. 1309.—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section 124, of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves of the regulations entitled the "Cochin Port Employees (General Provident Fund) First Amendment Regulations, 1978" made by the Board of Trustees for the Port of Cochin in exercise of the powers conferred by section 28, of the said Act and published in the Kerala Government Gazette dated the 27th June, 1978 and the 4th July, 1978.

[No. PEX-46/78]

सां.का.निं. 1310.—महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त अधिनियम की धारा 28 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कांडला पत्तन के न्यासियों के मण्डल द्वारा निर्मित और गुजरात सरकार के तारीख 13 जुलाई, 1978 और 20 जुलाई, 1978 के राजपत्र में प्रकाशित "कांडला पत्तन कर्मचारी छुट्टी (संशोधन) विनियम, 1978" का अनुमोदन करती है।

[सं. पी ई के-30/78]

New Delhi, the 19th October, 1978

G.S.R. 1310.—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section 124 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves of the Regulations entitled 'Kandla Port Employees Leave (Amendment) Regulations, 1978' made by the Board of Trustees of the Kandla Port in exercise of the powers conferred by section 28 of the said Act and published in the Gujarat Government Gazette dated the 13th July, 1978 and the 20th July, 1978.

[No. PEK-30/78]

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर, 1978

सांकांवि० 1311.—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अण्डमान और निकोबार प्रशासन में होम ट्रेड मास्टर एम०बी० “तरमूगली” के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम अण्डमान और निकोबार प्रशासन (होम ट्रेड मास्टर एम०बी० “तरमूगली”) भर्ती नियम, 1978 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान:—उक्त पद की संख्या उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वे होंगे जो इससे उपायुक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अर्हताएं आदि:—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हताएं:—वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।

5. नियम शिथिल करने की शक्ति:—जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिए जो कारण हैं, उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बावत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकती है।

6. व्याप्ति:—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों, आयु सीमा के शिथिल किए जाने और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।

#### अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	न्यूनतम पद अवकाश	सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
होम ट्रेड मास्टर एम०बी०, तरमूगली	1	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'क' राजपत्रित	1100-50-1600 रु०	लागू नहीं होता	50 वर्ष (सरकारी सेवकों के लिए शिथिल की जा सकती है) टिप्पण: आयु सीमा अवधारित करने की निष्पत्ति तारीख भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप में रहते हैं) प्राप्त करने की अंतिम तारीख होगी	आवश्यक: (1) भारत सरकार द्वारा होम ट्रेड शिप (गृह व्यापार पोत) के मास्टर के रूप में दिया गया सक्षमता प्रमाणपत्र, (2) होम ट्रेड शिप (गृह व्यापार पोत) के मास्टर के रूप में 3 वर्ष का अनुभव (अर्हताएं अन्यथा सुप्रसिद्ध अभ्यर्थियों की पक्षा में संघ लोक सेवा आयोग के बिबेकानुसार शिथिल की जा सकती हैं, विशेष रूप से अनुभव संबंधी अर्हता अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों के मामले में उनके लिए आरक्षित पदों के लिए शिथिल की जा सकती है)।
						वांछनीय: (1) भारत सरकार के नौकरी और परिवहन मंत्रालय द्वारा

1	2	3	4	5	6	7
						जारी किया गया विदेश गामी वाष्प पोत के मास्टर के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्र या समतुल्य जैसे कि 7 वर्ष सागर-समय पूरा करने पर नौ कार्य-लयों को जारी किया गया विदेश गामी पोत के मास्टर का सेवा प्रमाणपत्र।
						(2) समुद्र पर कुछ कमान (कमाण्ड) अनुभव।
सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होंगी या नहीं	परिवीक्षा की अवधि, यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति हो तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा परामर्श किया जाएगा।	
8	9	10	11	12	13	
लागू नहीं होता	2 वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	समूह 'क' विभागीय प्रोन्नति समिति जिसमें निम्न-लिखित होंगे :- (1) संघ लोक सेवा आयोग का अध्यक्ष/सदस्य— —अध्यक्ष (2) विकास आयुक्त एवं विकास सचिव, अंजमान और निकोबार प्रशासन—सदस्य (3) सचिव, भारसाधक विकास विभाग—सदस्य (सीधी भर्ती वालों की पुष्टि पर विचार करने के लिए)	चयन, संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से किया जाएगा।	

[सं० एफ० पी ई यु-25/77]

राम तिलक पाण्डेय, ब्रवर सचिव

New Delhi, the 20th October, 1978

G.S.R. 1311.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Home Trade Master M. V. "Tarmugli" in the Andaman and Nicobar Administration, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rule may be called the Andaman and Nicobar Administration (Home Trade Master M. V. "Tarmugli") Recruitment Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of posts, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed hereto.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the said schedule.

4. Disqualification.—No person,

(a) who has entered into or contracted a marriage with any person, having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

## SCHEDULE

Name of post	Number of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Home Trade Master M.V. "Tarmugli"	1	General Central Service Group 'A' Gazetted.	Rs. 1100-50-1600.	Not applicable.	50 years (Relaxable for Government Servants).  Note :—The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from Candidates in India (other than those in the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).	Essential : (i) Certificate of Competency granted by the Government of India as Master of a Home Trade Ship. (ii) 3 years' experience as Master of Home Trade Ship. (Qualifications relaxable at the Union Public Service Commission discretion in case of candidates otherwise well qualified; in particular, the qualification regarding experience is relaxable in case of candidates belonging to the scheduled castes and the scheduled tribes for posts reserved for them.  Desirable : (i) Certificate of competency as Master of Foreign-Going Steam Ship issued by the Ministry of Shipping and Transport, Government of India or equivalent such as certificate of service of a Master of Foreign Going Ship issued to a Naval Officers completing 7 years of Sea-Time. (ii) Some Command experience at Sea.
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation or transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion or deputation or transfer, grades from which promotion or deputation or transfer to be made	If a Departmental promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment	
8	9	10	11	12	13	
Not applicable.	2 years.	By direct recruitment.	Not applicable.	Group 'A' Departmental Promotion Committee consisting of:— (1) Chairman/Member of Union Public Service Commission as Chairman. (2) Development Commissioner-cum-development Secretary Andaman & Nicobar Administration —Member. (3) Secretary in charge of department—Member. (for considering confirmation of direct recruit).	Selection shall be made in consultation with the Union Public Service Commission.	

[F. PEU-25/77].

R. T. PANDEY, Under Secy.



सांकांनि० 1312.—तृतीकोरिन महापत्तन (बन्दरगाह यान) नियम, 1976 में संशोधन करने के लिए नियमों का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार, भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाना चाहती है, उक्त धारा 6 की उपधारा (2) की अपेक्षानुसार उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है, और सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से पैंतालिस दिन की अवधि के अवसान पर या उसके पश्चात विचार किया जाएगा।

2. उक्त प्रारूप की बाबत किसी व्यक्ति से इस प्रकार विनिश्चित अवधि की समाप्ति के पूर्व प्राप्त किन्हीं श्रावणों और सुझावों पर केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

#### नियमों का प्रारूप

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम तृतीकोरिन महा पत्तन (बन्दरगाह यान) संशोधन नियम, 1978 है।

(2) ये को प्रवृत्त होंगे।

2. तृतीकोरिन महापत्तन (बन्दरगाह यान) नियम, 1976 में :—

(1) नियम 3 के उपनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित उप-नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

(2) इस नियम की कोई भी बात निम्नलिखित को लागू नहीं होगी—

(i) ऐसा यान जो किसी पोत या स्टीमर के उपस्कर के भाग के रूप में है, जब तक कि वह लाभ के लिए यात्रियों का स्थोरा को वहन नहीं करता।

(ii) ऐसा यान जिसे एकमात्र प्रामोव-प्रमोद के प्रयोजनों के लिए रखा गया हो और जिसका लाभ के लिए यात्रियों या स्थोरा को वहन करने से कोई संबंध न हो,

(iii) ऐसा यान जो पत्तनों का हो।

(2) नियम 12 के उपनियम (2) के नीचे के स्पष्टीकरण के स्थान पर निम्नलिखित स्पष्टीकरण रखा जाएगा, अर्थात् :—

“स्पष्टीकरण—इस उपनियम के प्रयोजनार्थ सभी ऐसी मरम्मतें, जिनमें यान की समुद्र में चलने की योग्यता को प्रभावित करने वाले प्रतिस्थापन या तथीकरण अन्तर्भावित हैं, बड़ी मरम्मतें सम्मिली जाएंगी;

3. नियम 13 के उपनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(2) पत्तन के भीतर चलने वाला प्रत्येक अनुज्ञात बन्दरगाह यान अपने साथ उतने जीवन जैकेट ले जाएगा, जितने उस पर व्यक्ति जिसमें यात्री और कर्मचारी सम्मिलित हैं। इसके अतिरिक्त यान, प्रत्येक बन्दरगाह यान में न्यूनतम दो जीवन बोया के अधीन रहते, हुए, प्रत्येक दो व्यक्तियों, जिसमें यात्री और कर्मचारी सम्मिलित हैं के लिए एक ही दर से जीवन बोया ले जाएगा। विकल्पतः जीवन बोया के बन्ने, व्यक्तियों, जिनमें यात्री और कर्मचारी सम्मिलित हैं, की कुल संख्या को ले जाने के लिए पर्याप्त तरण शील साधन की व्यवस्था की जाएगी। जीवन बोया या तरणशील साधन परिवहन मंत्रालय द्वारा यथा अनुमोदित नमूनों के होंगे। बन्दरगाह यान में ले जाए जाने वाले ऐसे सभी बोया और तरणशील साधन को उप-संरक्षक के समाधानप्रद रूप में रखा जाएगा जिससे फलक पर व्यक्ति सुगमता से उन तक पहुँच जाए”।

4. नियम 25 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“25. स्वामी द्वारा अपने यान पर नियोजित टिण्डल या कर्मचारी के किसी सदस्य के कार्यों के लिए स्वामी का दायित्व—

738GI/78—4

यान का स्वामी, इन नियमों के उपबन्धों के अधीन यान को चलाते समय, अपने द्वारा अपने यान पर नियोजित टिण्डल या कर्मचारी के किसी सदस्य के किन्हीं कार्यों के लिए उत्तरदायी होगा।”

5. नियम 26 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“26. अनुज्ञप्तियों का प्रतिसंहरण :—यदि उप संरक्षक की राय में किसी अनुज्ञात बन्दरगाह यान के स्वामी या टिण्डल या कर्मचारी के किसी सदस्य ने इन नियमों के किसी उपबन्ध का उल्लंघन किया है, तो वह, किसी अन्य कार्यवाही पर, जो उस उल्लंघन को बाबत ऐसे स्वामी के विरुद्ध की जाए, प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, ऐसे स्वामी द्वारा धारित सभी या किसी अनुज्ञप्ति को रद्द कर सकेगा।

6. नियम 19 में, निम्नलिखित परन्तु शब्दः स्यात्त किया जायगा, अर्थात् :—

“परन्तु अनुज्ञात बन्दरगाह यान में टिण्डल द्वारा अधिक सदान पाये जाने की वशा में, अनुज्ञप्ति जारी किए जाने संबंधी शर्तों के अनुरूप बनाने के लिए, यथास्थिति, केवल उन्हीं यात्रियों को यान छोड़ने के लिए या स्थोरा को उस मात्रा को हटाए जाने के लिए कहा जाएगा, जो अनुज्ञप्ति में यथा विनिश्चित विहित सीमा के पश्चात यान में प्रविष्टि हुए थे या यान में लाया गया था”;

7. नियम 32 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

32. शास्तिर्या अविरूपित करने की प्रक्रिया—ऐसे प्रत्येक व्यक्ति को, जिस पर इन नियमों के अधीन उपबन्धों में से किसी के भंग का दोष लगाया गया है, ऐसे अविरूपित करने के लिए किसी शास्ति पर विनिश्चय करने के पूर्व, सुनवाई का व्यक्तिगत अवसर दिया जाएगा और इन नियमों के अधीन शास्ति अविरूपित करने वाला कोई आदेश तब तक नहीं किया जायगा जब तक उस व्यक्ति को, जिस पर ऐसी शास्ति अविरूपित करने का प्रस्ताव है, सुनवाई का व्यक्तिगत अवसर न दे दिया गया हो।”

[वी जी एल-76/77]

G.S.R. 1312.—The following draft of certain rules to amend the Major Port of Tuticorin (Harbour Craft) Rules, 1976 which the Central Government proposes to make in exercise of the power conferred by sub-section (1) of section 6 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908) is hereby published as required by sub-section (2) of the said section 6, for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the draft will be taken into consideration on or after the expiry of a period of forty five days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

2. Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the expiry of the period so specified will be taken into consideration by the Central Government.

#### DRAFT RULES

1. (1) These rules may be called the Major Port of Tuticorin (Harbour Craft) Amendment Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the.....

2. In the Major Port of Tuticorin (Harbour Craft) Rules 1976 :—

(1) for sub-rule (2) of rule 3, the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“(2) Nothing in this rule shall apply to—

(i) any craft forming part of the equipment of a ship or steamer unless it carries the passengers or cargo for profit;

(ii) any craft maintained solely for purpose of pleasure and not connected with the carrying of passengers or cargo for profit;

(iii) any craft belonging to the ports".

2. for the explanation under sub-rule (2) of rule 12, the following explanation shall be substituted, namely:—

"Explanation.—For the purpose of this sub-rule, all the repairs which involve replacement or renewals affecting sea-worthiness of the craft shall be deemed to be major repairs";

3. for sub-rule (2) of rule 13, the following sub-rule shall be substituted, namely:—

"(2) Every licenced harbour craft plying within the port shall carry as many number of life jackets as there are number of persons including passengers and crew. In addition, craft shall carry life buoys at the rate of one for every two persons including passengers and crew, subject to minimum of two numbers of life buoys in every harbour craft. Alternatively in lieu of life buoys, buoyant apparatus sufficient to carry the total number of persons including passengers and crew shall be provided. The life buoys or buoyant apparatus shall be of the pattern as approved by the Ministry of Transport. All such buoys and buoyant apparatus carried in the Harbour craft shall be stowed to the satisfaction of the Deputy Conservator and so as to be readily accessible to the persons on board".

4. for rule 25, the following rule shall be substituted, namely:—

"25. Liability of the owner for the acts of tindal or any member of the crew employed by him on his craft.—The owner of the craft shall be responsible for any acts of tindal or any other member of the crew employed by him on his craft, while plying the craft under the provisions of these rules".

5. for rule 26, the following rule shall be substituted, namely:—

"26. Revocation of licences.—If in the opinion of the Deputy Conservator, the owner of any licensed harbour craft or tindal or any member of the crew has contravened any of the provisions of these rules, he may, without prejudice to any other action that may be taken against such owner in respect of the contravention, cancel all or any of the licences held by the owner;

6. In rule 19, the following proviso shall be inserted, namely:—

"Provided that in the event of a licenced harbour craft being found over-loaded by the tindal, only those passengers who entered the craft or the quantity of cargo that was loaded after the prescribed limit as specified in the licence, shall be asked to leave or that quantity of cargo to be removed, as the case may be, to conform with the conditions of the assignment of the issue of licence";

7. for rule 32, the following rule shall be substituted, namely:—

32. Procedure for imposing penalties.—Every person on whom a charge of breach of any of the provisions under these rules is made shall be given a reasonable opportunity of being heard before any penalty is decided for such offence, and that no order imposing a penalty under these rules shall be made except after giving the person on whom such penalty is proposed to be imposed, a reasonable opportunity of being heard."

[No. PGL-76/77]

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर, 1978

सांकांमि० 1313.—नवतूतीकोरिन महापत्तन (संशोधन) नियम, 1978 का निम्नलिखित प्रारूप जिसे केन्द्रीय सरकार, भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 की धारा 8 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बनाना चाहती है, उक्त धारा की उपधारा (2) की अपेक्षाानुसार उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिये प्रकाशित किया जाता है जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है और सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर, इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैंतालिस दिन की अवधि की समाप्ति के पश्चात् विचार किया जायेगा।

उक्त अवधि की समाप्ति से पूर्व उक्त प्रारूप की बाबत जो आक्षेप या सुझाव किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार उन पर विचार करेगी।

#### नियमों का प्रारूप

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम नवतूतीकोरिन महापत्तन (संशोधन) नियम, 1978 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. नवतूतीकोरिन महापत्तन नियम, 1977 में,

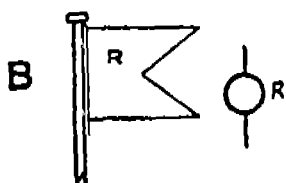
(1) नियम 93 के उपनियम (1) में, "जलयानों द्वारा," शब्दों के पश्चात् "इससे उपावृद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट" शब्द अन्तःस्थापित किये जायेंगे।

(2) नियम 95 के पश्चात् निम्नलिखित अनुसूची जोड़ी जायेगी, अर्थात:—

#### अनुसूची

नवतूतीकोरिन पत्तन पर जलयानों पर प्रदर्शित किये जाने वाले संकेत

संकेत	कहाँ फहराया जाये	संकेतन	संकेत केन्द्र द्वारा की जाने वाली कार्यवाही
दिशस राशि			
1	2	3	4



प्रत्येक मस्तूल शीर्ष पर फहराया जायेगा राशि-संकेत वहाँ फहराया जायेगा जहाँ से सबसे अच्छा दिखाई दे।

में खतरनाक माल की सवारी या उतराई कर रहा हूँ या वहन कर रहा हूँ।

1

2

3

4

★  
G

जहाँ से सर्वश्रेष्ठ दिखाई दे, मस्तूल-शीर्ष मुझे पाइलट चाहिये  
मस्तूल संकेत भुजा या ट्राएटिक

पाइलट को सूचित करें, पाइलट जाँच, मूरिंग  
नाव (टग) और कर्षण नाव (टग) की  
व्यवस्था करें।

★  
L

—यथोक्त—

मुझे पाइलट लांच की आवश्यकता है

पाइलट लांच को जलयान तक भेजने की  
व्यवस्था करें।

★  
M

—यथोक्त—

मुझे मूरिंग नाव चाहिये

मूरिंग नाव को जलयान तक भेजने की  
व्यवस्था करें।

★  
Z

—यथोक्त—

मुझे कर्षण नाव चाहिये

कर्षण नाव को जलयान तक भेजने की  
व्यवस्था करें।

★  
W

जहाँ से सबसे अच्छा दिखाई दे

मुझे चिकित्सीय सहायता चाहिये

अधिकारी से जलयान पर डाक्टर को भेजने  
को कहें। एम्बुलेंस की व्यवस्था करें।

66

Pen.  
1

जहाँ से सबसे अच्छा दिखाई दे

मैं बन्दरगाह में प्रवेश कर रहा हूँ

Pen.  
2

जहाँ से सबसे अच्छा दिखाई दे

मैं बन्दरगाह छोड़ रहा हूँ।

Pen.  
3

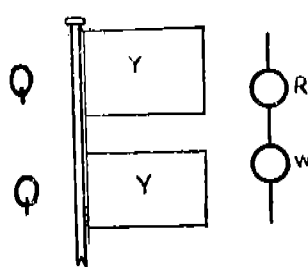
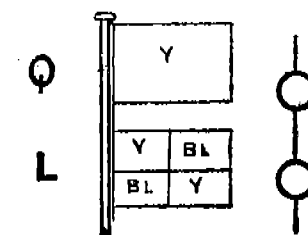
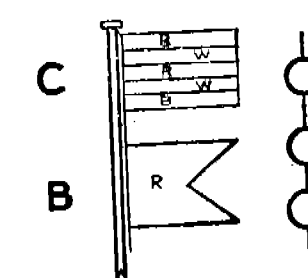
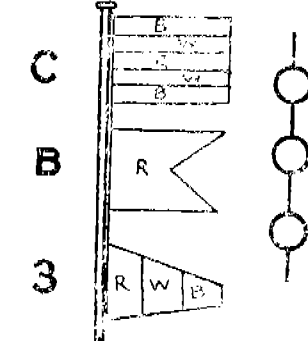
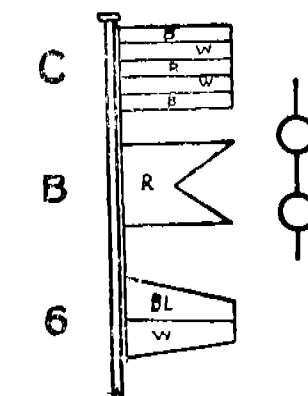
जहाँ से सबसे अच्छा दिखाई दे

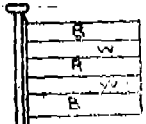
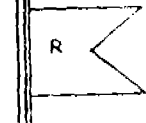
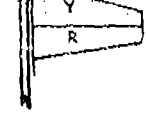
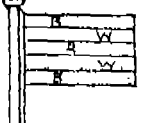
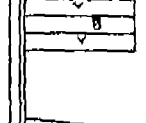
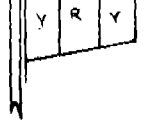
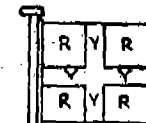
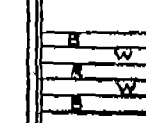

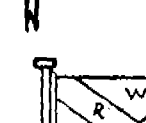
मैं बन्दरगाह के भीतर स्थान परिवर्तित  
कर रहा हूँ।

Q


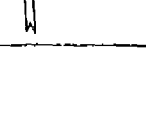
वहाँ फहराया जायेगा जहाँ से सबसे  
अच्छा दिखाई दे। रात्रि संकेत वहाँ  
फहराये जायेंगे जहाँ से सबसे अच्छा  
दिखाई दे, प्रकाश परस्पर 6 फुट से  
अधिक फासले पर नहीं होंगे।

मेरे जलयान पर सब स्वस्थ हैं और  
मुझे प्रवेश अनुमति दी जाये।  
मुझे प्रवेश अनुमति प्राप्त नहीं।

1	2	3	4
	<p>यहाँ फहराया जायेगा जहाँ से सबसे अच्छा दिखाई दे। रात्री सकेंत वहाँ फहराये जायेगे जहाँ से सबसे अच्छा दिखाई दे, प्रकाश परस्पर 6 फुट से अधिक फासले पर नहीं होंगे।</p>	<p>मेरे जलयान पर रोक का संदेह है और मुझे स्वास्थ्य संबंधी प्रमाण पत्र चाहियें। प्रवेश अनुमति नहीं प्राप्त हुई है।</p>	<p>अधिकर्ता को सूचित करें कि वह जलयान पर पतन-स्वास्थ्य-अधिकारी को भेजें।</p>
	<p>--यथोक्त-- --यथोक्त--</p>	<p>मेरे जलयान पर संक्रमण है मुझे प्रवेश अनुमति प्राप्त नहीं हुई है।</p>	<p>अधिकर्ता को सूचित करें कि जलयान के लिये पतन स्वास्थ्य अधिकारी को भेजें।</p>
	<p>--यथोक्त--</p>	<p>गुरत सहायता चाहिए।</p>	<p>जलयान से सम्पर्क करें और अपेक्षित सहायता की प्रकृति का पता करें तब सम्बद्ध अधिकारियों और अधिकर्ता को सूचित करें।</p>
	<p>--यथोक्त-- --यथोक्त--</p>	<p>पुलिस चाहिए</p>	<p>अधिकर्ता के माध्यम से पुलिस को सूचित करें।</p>
	<p>--यथोक्त-- --यथोक्त--</p>	<p>मेरे जलयान पर आग लगी है और मुझे गुरत सहायता चाहिए।</p>	<p>पैरेन्ट 9 फहराएं त्वत्पुतीकोरित पतन अग्निशमन-केन्द्र अग्निमान, उपसंरक्षक, बन्दरगाह मास्टर और केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल और अधिकर्ता को सूचित करें।</p>

1	2	3	4
<p>C</p>  <p>B</p>  <p>7</p> 	<p>वहाँ फहराया जाएगा जहाँ से सबसे धक्का दिखाई दे। राशि संकेत वहाँ फहराये जाएंगे जहाँ से सबसे धक्का दिखाई दे, प्रकाश परस्पर 6 फुट से अधिक दूरी पर नहीं होंगे।</p> <p>मेरे जलयान में क्षरण होने लगा है। तुरन्त सहायता चाहिए।</p> <p>उपसंरक्षक, बन्दरगाह मास्टर और अधिकता को अभियान सेना कर्षण नाव को सूचित करें।</p>		
<p>C</p>  <p>D</p>  <p>Θ</p> 	<p>--वयोक्त--</p> <p>जलयान में लाजा जल चाहिए। यातायात विभाग को सूचित करें।</p>		
<p>R</p>  <p>C</p>  <p>1</p> 	<p>--वयोक्त--</p> <p>मेरा जलयान नियंत्रण से बाहर है।</p>	<p>पाइलट को बुलाएं। उपसंरक्षक और बन्दरगाह मास्टर को सूचित करें। पाइलट लाई की व्यवस्था करें। मूरिंग नाव और कर्षण नाव को जलयान तक भेजने की व्यवस्था करें।</p>	
<p>V</p> 	<p>जहाँ से सबसे धक्का दिखाई दे।</p>	<p>मुझे सहायता चाहिए</p>	<p>जब पतन याम द्वारा दिखाए जाएं तो इससे अभिप्रेत है कि यान पर तुरन्त सहायता चाहिए। उसकी सहायता के लिए तुरन्त दूसरी लाई भेजें और बन्दरगाह मास्टर को सूचित करें।</p>

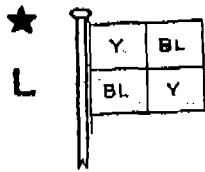
स्थानीय संकेत जो संकेत केन्द्रों पर प्रदर्शित किए जाएंगे

संकेत	संकेतम	संकेत केन्द्र द्वारा की जाने वाली कार्रवाई
विषय राशि		
1	2	3
<p>★</p>  <p>G</p> 	<p>बन्दरगाह के भीतर के जलयान को पाइलट चाहिए।</p>	<p>व्यंज 'छ' को संकेत केन्द्र पर फहराएं। पाइलट को सूचित करें, मूरिंग वल और कर्षण नाव की व्यवस्था करें। जब पाइलट जलयान पर चढ़े तो व्यंज 'छ' को मुका दें।</p>

1

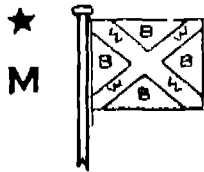
2

3

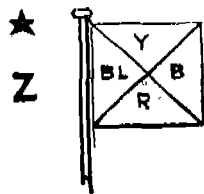


पाइलट लॉच संकेत केन्द्र के निकट जब लॉच रिपोर्ट करे तो ध्वज 'L' को मुका रिपोर्ट करें।

6

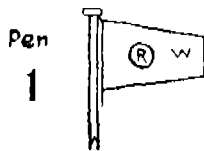


मूरिंग नाव संकेत केन्द्र के निकट जब मूरिंग नाव रिपोर्ट करे तो ध्वज 'M' को मुका दें।

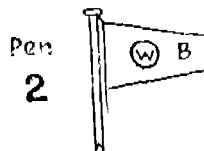


कर्वण नाव संकेत केन्द्र के निकट जब कर्वण नाव रिपोर्ट करे तो ध्वज 'Z' को मुका दें।

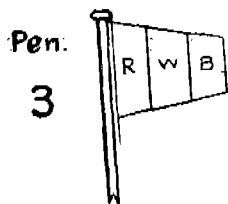
66



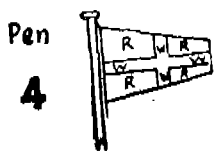
जलयान बन्दरगाह में प्रवेश कर रहा है। यह संकेत उस समय से जब पाइलट जलयान पर चढ़े, उस समय तक जब जलयान घाट पर अपना स्थल ग्रहण करे, संप्रशित किया जाएगा।



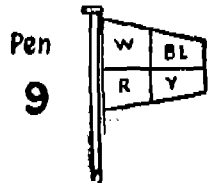
जलयान बन्दरगाह छोड़ने वाला है। यह संकेत उस समय से जब पाइलट जलयान पर सहायता के लिए चढ़े, उस समय तक जब जलयान जलमार्ग को पार कर ले, संप्रशित किया जाएगा।



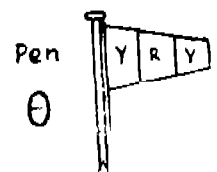
जलयान बन्दरगाह के भीतर ही स्थान परिवर्तन कर रहा है। यह संकेत उस समय से जब पाइलट जलयान पर चढ़े, उस समय तक जब जलयान मार्बटिस बंद पर अपना स्थल ग्रहण कर ले, संप्रशित किया जाएगा।



जलयान दिखाई दे रहा हो। यह तब संप्रशित किया जाता है जब जलयान दिखाई पड़ता है और तब मुकाया जाता है जब पाइलट जलयान पर चढ़ता है या जब जलयान खुले समुद्र में जंगर बालता है।

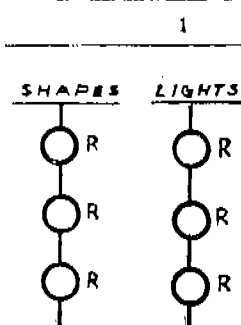


बन्दरगाह में पोत पर आग लगी है (अर्थात् बन्दरगाह में पोत पर सी० बी० ८ दिखाई देने पर) प्रविशमन केन्द्र को अधिसूचित करें, प्रविशमन, उपसंरक्षक, बन्दरगाह मास्टर, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल को सूचित करें पोत के अधिकर्ता को सूचित करें।



बन्दरगाह में तट पर आग।

प्रविशमन केन्द्र उप संरक्षक, बन्दरगाह मास्टर और केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल को सूचित करें।



सन्वयणाहू बन्व है ।

—66

यह सूचित करता है कि ये संकेत सीटी या विद्युत से भी किए जा सकते हैं ।

“रवे” से उपरक्षित है रवेत लाइट

“ला” से उपरक्षित है लाल लाइट

“ला” से उपरक्षित है लाल

“पी” से उपरक्षित है पीला

“का” से उपरक्षित है काळा

“पी” से उपरक्षित है पीला

“रवे” से उपरक्षित है रवेत

[सं० पी० जी० एल-63/77]

सुदर्शन बसुदेव, प्रवर सचिव

New Delhi, the 21st October, 1978

#### DRAFT RULES

**G.S.R. 1313.**—The following draft of the Major Port of New Tuticorin (Amendment) Rules, 1978, which the Central Government proposes to make, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section 6 of the Indian Ports Act, 1908 is hereby published, as required by sub-section (2) of the said section, for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after the expiry of a period of forty five days from the date of publication of the notification in the Official Gazette.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the expiry of the said period, will be taken into consideration by the Central Government.

1. (1) These rules may be called the Major Port of New Tuticorin (Amendment) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Major Port of New Tuticorin Rules, 1977,—

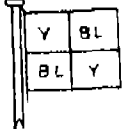
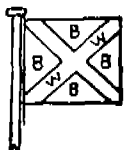
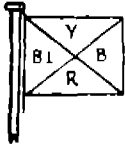
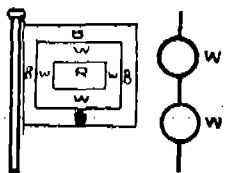
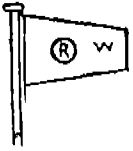
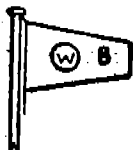
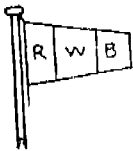
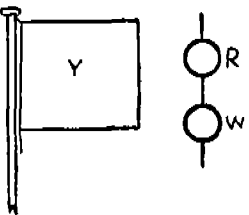
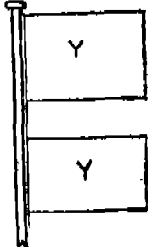

(i) in sub-rule (1) of rule 93, after the words “International Code of Signals”, the words “specified in the Schedule annexed hereto” shall be inserted;

(ii) after rule 95, the following Schedule shall be inserted namely :—

#### THE SCHEDULE

#### INTERNATIONAL CODE OF SIGNALS

Signal		Where Hoisted	Signification	Action to be taken by Signal Station
Day	Night			
1	2	3	4	
B		To be hoisted at Foremast head night signal to be hoisted where best seen.	I am taking in or discharging or carrying danger—Our goods.	
★ G		Where best seen, Masthead, Signal Yard Arm or Triaic Stay.	I require a Pilot	Inform Pilot, arrange Pilot Launch, Mooring Boat and Tug.

1	2	3	4
★ L 	Where best seen, Masthead Signal Yard Arm or Triatic Stay	I require Pilot Launch	Arrange to send Pilot Launch to the ship.
★ M 	—do—	I require Mooring Boat.	Arrange to send the Mooring Boat to the ship.
★ Z 	—do—	I require Tug.	Arrange to send the Tug to the ship.
★ W 	Where best seen.	I require medical Assistance.	Inform Agent to send Doctor on Board. Arrange Ambu- lance.
Pen 1 	Where best seen.	I am entering the Harbour	
Pen 2 	Where best seen.	I am leaving the Harbour.	
Pen 3 	Where best seen.	I am shifting within the Harbour.	
Q 	To be hoisted where best seen. Night signals to be hoisted where best seen, the lights being not more than 6 feet apart	My ship is healthy and I request free pratique. I have not received free pratique	
Q 	—do—	My ship is suspected and I re- quire health clearance.	Inform Agent to arrange Port Health Officer to Board.
Q 	—do—	I have not received free pra- tique.	

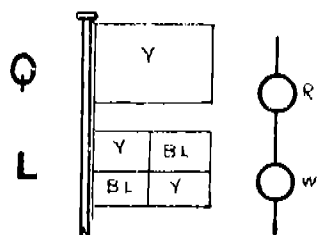


1

2

3

4

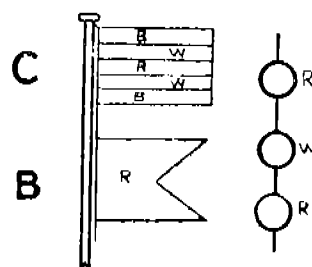


To be Hoisted where best seen. Night signals to be hoisted where best seen, the lights being not more than 6 feet apart

—do—

My ship is infected  
I have not received free pratique.

Inform Agent to arrange Port Health Officer to Board.

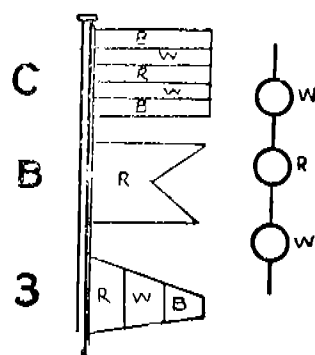


—do—

—do—

Require immediate assistance.

Communicate with the ship and find out the nature of assistance required. Then inform the officials concerned and agent.

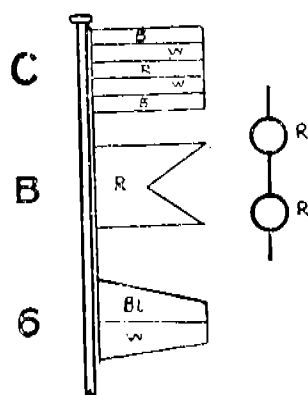


—do—

—do—

Require Police

Inform Police through Agent.

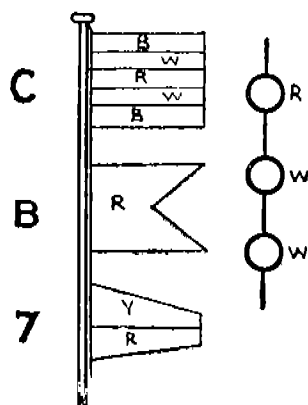


—do—

—do—

I am on fire and require immediate assistance.

Hoist pendant 9  
Notify P.N.T. Fire Station, Fire Float, Deputy Conservator, Harbour Master and C.I.S.F. Inform Agent.



—do—

—do—

I have sprung a leak and require immediate assistance.

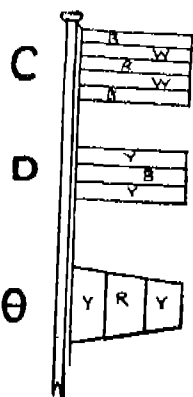
Inform Deputy Conservator, Harbour Master and Agent. Fire Service—Tugs.

1

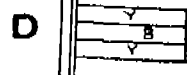
2

3

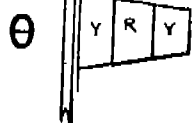
4



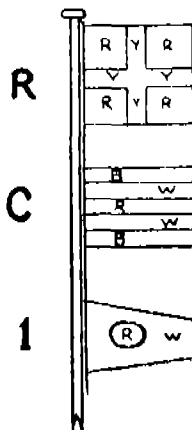
To be hoisted where best seen.



Night signals to be hoisted where best seen, the lights being not more than 6 feet apart. The vessel requires FRESH WATER. Inform Traffic Department.



666



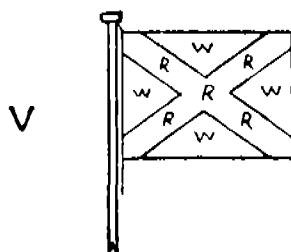
—do—  
—do—

I have broken adrift.

Call Pilot. Inform Deputy Conservator and Harbour Master. Arrange Pilot Launch. Arrange for mooring boat & tug to proceed to ship.

66

## SIGNALS TO BE EXHIBITED ON HARBOUR CRAFT



Where best seen

I require Assistance

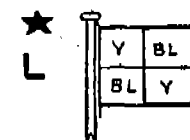
When exhibited by Port Craft it means the Craft require immediate assistance. Send another Launch immediately for her Assistance and inform Harbour Master.

## PORT OF NEW TUTICORIN—LOCAL SIGNALS TO BE EXHIBITED AT THE SIGNAL STATION

Signals		Signification	Action to be taken by the Signal Station
Day	Night		
1	2	3	

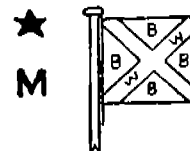


Vessel in the Harbour requires Pilot. Hoist Flag 'G' at Signal Station. Inform Pilot, arrange mooring party and Tugs. Lower 'G' when Pilot boards the vessel.



Pilot launch to report near Signal Station. Lower Flag 'L' when Launch reports.

6



Mooring boat to report near Signal Station. Lower Flag 'M' when Mooring Boat reports.

1	2	3
★ Z		Tug to report near Signal Station. Lower Flag 'Z' when Tug reports.
Pen. 1		A vessel is entering the Harbour. This signal will be displayed from the time Pilot boards the vessel to the time the vessel occupies the berth.
Pen. 2		A vessel is about to leave the Harbour. This signal will be displayed from the time Pilot boards the vessel to aid here to the time the vessel has cleared the channel.
Pen. 3		A vessel is shifting within the Harbour. This signal will be displayed from the time Pilot boards the vessel to the time the vessel occupies the allotted berth.
Pen. 4		A vessel is in sight. This is displayed when a vessel is in sight and lowered when Pilot boards the vessel or when the vessel anchors in the roadstead.
Pen. 9		Fire in the Harbour ON SHIP (on seeing Notify the Fire Station, Fire Float, Deputy Conservator, Harbour Master and C.I.S.F, Inform ship's agent.
Pen. θ		Fire in the Harbour—ASHORE. Notify the Fire Station (PNT), Deputy Conservator, Harbour Master and C.I.S.F.
SHAPES	LIGHTS	
		The Harbour is closed.

—66

Denotes these signals can also be made by Whistle or Siren.

'W' indicates white light.  
'r' indicates red light.

'B' indicates 'Blue'  
'Bl' indicates 'Black'  
'W' indicates 'White'  
'R' indicates 'Red'.  
'Y' indicates 'Yellow'.

[No. PGL-63/77]

S. VASUDEV, Under Secy.

सांका० 1314.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और दीप स्तम्भ और दीप पोत विभाग (वर्ग 1 और वर्ग 2 (राजपत्रित) गैर तकनीकी पद भर्ती) नियम, 1959 को अधिकांश करते हुए, दीप स्तम्भ और दीप पोत विभाग में समूह 'क' और समूह 'ख' गैर तकनीकी पदों पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ .—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम दीप स्तम्भ और दीप पोत समूह 'क' और 'ख' (गैर-तकनीकी पद) भर्ती नियम, 1978 है ।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. लागू होना .—ये नियम इससे उपाखण्ड अनुसूची के स्तम्भ 1 में विनिर्दिष्ट पदों को लागू होंगे ।

3. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान.—उक्त पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनके वेतनमान वे होंगे जो इससे उपाखण्ड अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं ।

4. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अर्हताएँ आदि.—उक्त पदों पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएँ और उनसे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं :

परन्तु सीधे भर्ती के लिये उक्त अनुसूची के स्तम्भ 6 में विनिर्दिष्ट अधिकतम आयु-सीमा केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किये गये आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और प्रवर्गों के अभ्यर्थियों के मामले में क्या शिथिल की जा सकेंगी ।

5. निरर्हताएँ.—यह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है,

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो, उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा:

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाये कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिये अन्य आधार मौजूद हैं तो यह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी ।

6. नियम शिथिल करने की शक्ति.—जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिये जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों या पदों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी ।

7. व्यापृति.—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गये आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिये उपबन्ध करना प्रोक्षित है ।

#### अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा प्रचयन पद	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये आयु-सीमा	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये शैक्षिक और अन्य अर्हताएँ
1	2	3	4	5	6	7
1. प्रशासन अधिकारी	1	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह 'क' राजपत्रित	1100-50-1800 रु०	चयन	45 वर्ष से अधिक नहीं (सरकारी सेवकों के लिये शिथिल की जा सकती है) टिप्पण:—आयु-सीमा अधधारित करने की निर्णायक तारीख भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अरुमान और निकोबार द्वीपसमूह तथा लक्षद्वीप में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने की अन्तिम तारीख होगी ।	आवश्यक :— (1) किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय की उपाधि या समतुल्य; (2) किसी सरकारी कार्यालय या लोक निकाय या किसी विख्यात वाणिज्यिक संगठन में पर्यवेक्षक की हैसियत में प्रशासन, लेखा और स्थापन कार्य में 7 वर्ष का अनुभव । (अर्हताएँ अन्यथा सुग्रहित अभ्यर्थियों की वशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती हैं, विशेषकर अनुभव संबंधी अर्हताएँ अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों के मामलों में उनके लिये आरक्षित पदों के लिये शिथिल की जा सकती हैं) । वांछनीय :— सरकारी नियमों और विनियमों का ज्ञान ।

सीधी भर्ती किये जाने परीक्षा की अवधि भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधी होगी	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की वशा में वे श्रेणियों जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया गया	प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा परामर्श किया जायेगा
वाने व्यक्तियों के लिये यदि कोई हो या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/विहित आयु और शैक्षिक अर्हतायें प्रोन्नति की वशा में लागू होंगी या नहीं	स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता		

8	9	10	11	12	13
नहीं	दो वर्ष	प्रोन्नति द्वारा जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा और दोनों के न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा ।	प्रोन्नति :— कार्यपालक अधिकारी, जिन्होंने उस श्रेणी में नियमित आधार पर नियुक्ति के पश्चात् 5 वर्ष सेवा की हो । प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण :— सदृश पद धारण कर रहे केन्द्रीय सरकार के अधिकारी या ऐसे अधिकारी जिन्होंने 700-1300 रु० के वेतनमान में या समतुल्य पदों पर 5 वर्ष नियमित सेवा की हो अथवा ऐसे अधिकारी जिन्होंने 650-1200 रु० वेतनमान के या समतुल्य पदों पर 8 वर्ष नियमित सेवा की हो और जिन्हें प्रशासन, स्थापन और लेखा कार्य का अनुभव हो । (प्रतिनियुक्ति की अवधि साधारणतः 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी) ।	विभागीय प्रोन्नति समिति में निम्नलिखित होंगे :— 1. सदस्य, संघ लोक सेवा आयोग—अध्यक्ष 2. संयुक्त सचिव, नौबहन और परिवहन मंत्रालय (दीप स्तम्भ और दीप पोत विभाग का भारसाधक)—सदस्य 3. सहायक निदेशक, दीप स्तम्भ और दीप पोत—सदस्य ।	सीधी भर्ती और प्रोन्नति करते समय तथा समूह 'ख' के अधिकारी को प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त करते समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श आवश्यक है ।

1	2	3	4	5	6	7
2. कार्यपालक अधिकारी	5	साधारण केन्द्रीय सेवा, 'ख' राजपत्रित	840-40-1000-२० २००-40-1200 रु०	चयन	35 वर्ष से अधिक नहीं (सरकारी सेवकों के लिये शिथिल की जा सकती है) । टिप्पण:—आयु-सीमा अवधारित करने की निर्णायक तारीख भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अन्तर्गत और निकोबार द्वीपसमूह तथा लक्षद्वीप में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने की अन्तिम तारीख होगी) ।	आवश्यक :— (1) किसी मान्यताप्राप्त विश्व विद्यालय की उपाधि या समतुल्य लय की उपाधि या समतुल्य प्रशासन, नौबहन कंपनी या किसी ऐसी वाणिज्यिक फर्म में जिसमें नौबहन, वाणिज्यिक नौबहन, व्यवसाय और नौबहन की लागू विधि से संबंधित कार्य अन्तर्गत हों, उत्तरदायी हैसियत में 3 वर्ष में का अनुभव । अर्हतायें अन्यथा सुप्रसिद्ध अभ्यर्थियों की वशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती हैं विशेषकर अनुभव संबंधी अर्हतायें अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों के मामलों में उनके लिये प्रारक्षित पदों के लिये शिथिल की जा सकती हैं । वांछनीय :— दीप स्तम्भ से संबंधित कार्य में अनुभव

8	9	10	11	12	13
नहीं	दो वर्ष	प्रोन्नति द्वारा जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण द्वारा और दोनों के न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा ।	प्रोन्नति :— अधीक्षक जिन्होंने 5 वर्ष सेवा की हो और वाणिज्यिक लेखापाल जिन्होंने नियमित आधार पर नियुक्ति के पश्चात् अपनी अपनी श्रेणी में क्रमशः 5 वर्ष और 8 वर्ष सेवा की हो । प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण :— केन्द्रीय सरकार के अधिकारी जिन्होंने 650-1200 रु० के बेतनमान या समतुल्य पदों पर कम से कम 3 वर्ष नियमित सेवा की हो और जिन्हें प्रशासन, स्थापना और लेखा कार्य का अनुभव हो । (प्रतिनियुक्ति की अवधि साधारणतः 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी) ।	समूह 'ख' विभागीय प्रोन्नति समिति में निम्नलिखित होंगे :— 1. संयुक्त सचिव, नौबहत और परिवहन मंत्रालय, (दीप स्तम्भ और दीप-पोत विभाग के भारसाधक) —अध्यक्ष 2. महानिदेशक, दीप स्तम्भ और दीप पोत—सदस्य । 3. नौबहत और परिवहन मंत्रालय के अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों का प्रतिनिधित्व करने वाले अवर सचिव/उप-सचिव—सदस्य ।	सीधी भर्ती और सीधी भर्ती हुए कार्य की पुष्टि करते समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जावेगा ।

[सं० एल०एल० ई०/157/74-एम०टी०]

श्रीमती बी० निर्मल, अवर सचिव

**G.S.R. 1314.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, and in supersession of the Department of Lighthouses and Lightships (Recruitment to class I and class II (Gazetted) Non-technical posts) Rules, 1959, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to Group 'A' and Group 'B' non-technical posts in the Department of Lighthouses and Lightships, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Department of Lighthouses and Lightships Group 'A' and Group 'B' (non-technical posts) Recruitment Rules 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Application.—These rules shall apply to the posts specified in column 1 of the Schedule annexed to these rules.

3. Number, classification and scales of pay.—The number of the said posts, their classification and the scales of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed thereto.

4. Method of recruitment, age limit and other qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said posts shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule annexed thereto;

Provided that the upper age limit specified in column 6 of the said Schedule for direct recruitment may be relaxed in

the case of the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time.

5. Disqualification.—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to any of the said posts;

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons or posts.

7. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

## SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
1. Administrative Officer	1	General Central Service Group 'A' Gazetted.	Rs. 1100-50-1600	Selection	Not exceeding 45 years (Relaxable for Government servants). Note:—The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).	Essential: (i) Degree of a recognised University or equivalent. (ii) 7 years' experience of administration, accounts and establishment work in a supervisory capacity in a Government office or a public body or a commercial organisation of repute. (Qualifications relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified; in particular, the qualification regarding experience is relaxable in case of candidate belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes for the posts reserved for them). Desirable: Knowledge of Government rules and regulations.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grade from which promotion/deputation/transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment
8	9	10	11	12	13
No	2 years	By promotion failing which by transfer on deputation and failing both by direct recruitment	Promotion: Executive Officers with 5 years' service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis. Transfer on deputation: Officer of the Central Government holding analogous posts or with 5 years' regular service in posts in the scale of Rs. 700-1300 or 8 years' regular service in posts in the scale of Rs. 650-1200 or equivalent and possessing experience of administrative establishment and accounts work. (Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years).	Group 'A' Departmental Promotion Committee consisting of:— 1. Member, Union Public Service Commission—Chairman. 2. Joint Secretary, Ministry of Shipping and Transport (In-charge of Department of Lighthouses and Lightships)—Member. 3. Director General of Lighthouses and Lightships—Member.	Consultation with the Union Public Service Commission necessary while making direct recruitment and appointing a Group 'B' officer on deputation.

1	2	3	4	5	6	7
2. Executive Officer	5	General Central Service Group 'B' Gazetted.	Rs. 840-40-1000-EB-40-1200.	Selection	Not exceeding 35 years (Relaxable for Government servants).  Note:— The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).	Essential: (i) Degree of a recognised University or equivalent. (ii) 3 years' experience in a responsible capacity in a Government office, Port Administration, Shipping Company or Mercantile firm involving work relating to Shipping, commercial shipping practice and law applicable to shipping. (Qualifications relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified, in particular, the qualification regarding experience is relaxable in case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes candidates for the posts reserved for them).  Desirable: Experience in work relating to Lighthouses.

8	9	10	11	12	13
No	2 years	By promotion failing which by transfer on deputation and failing both by direct recruitment.	Promotion: Superintendent with 5 years' service and Commercial Accountant with 8 years' service in the respective grade rendered after appointment thereto on a regular basis. Transfer on Deputation: Officers of the Central Government with at least 3 years' regular service in the scale of Rs. 650-1200 or equivalent and possessing experience of administration, establishment and accounts work. (Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years).	Group 'B' Departmental Promotion Committee consisting of: 1. Joint Secretary, Ministry of Shipping and Transport, (In-charge of Department of Lighthouses and Lightships)—Chairman 2. Director General of Lighthouses and Lightships—Member. 3. Under Secretary/Deputy Secretary Ministry of Shipping and Transport (belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes)—Member.	The Union Public Service Commission shall be consulted for making direct recruitment and confirmation of a direct recruit.

[No. LLE-157/74-MT]  
SMT. B. NIRMAL, Under Secy.

#### CORRIGENDUM

**G.S.R. 1315.**—In the Merchant Shipping (Fixamination of Engineers in the Merchant Navy) Amendment Rules 1978 published with the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Merchant Shipping) No. G.S.R. 1038, dated the 4th August 1978,

in the Gazette of India, Part II—Section 3—Sub-Section (i), dated the 19th August 1978 :—

at page 1896

- (1) in the serial No. 149, omit the word "only";
- (2) in the serial No. 157, omit the word "of".

[F. No. 12-MAO(57)/77-MA]



नई दिल्ली, 23 अक्तूबर, 1978

**वाणिज्य पोत परिवहन**

सं० का० नि० 1316.—केन्द्रीय सरकार, वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 458 के साथ पठित धारा 331 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इण्डियन मर्चेंट शिपिंग (करेज आफ डेन्जरस गुड्स) रूल्स, 1954, उन बातों के सिवाय जो की गई है या की जाने से रद्द गई है, को अधिश्रान्त करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ:—(1) इन नियमों का नाम वाणिज्य पोत परिवहन (खतरनाक माल बहन) नियम, 1978 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं—इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) “अधिनियम” से वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) अभिप्रेत है,

(ख) “खतरनाक माल संहिता” से समय-समय पर संशोधित अंतर्राष्ट्रीय समुद्री खतरनाक माल संहिता अभिप्रेत है, जो (इण्टर-गवर्नमेंटल मैरिटाइम कंसल्टेटिव आरगनाइजेशन) द्वारा तैयार और प्रकाशित की गई है,

(ग) “सुरक्षा कन्वेंशन पोत” से यथास्थिति ऐसा पोत अभिप्रेत है, जो उस देश में, जिसने समुद्र में प्राणरक्षा संबंधी अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन, 1960 का अनुसमर्थन किया है, या उस क्षेत्र में, जिसमें उक्त कन्वेंशन के उपबन्धों का विस्तार किया गया है, रजिस्ट्रीकृत है,

(घ) “अनुसूची” से इन नियमों की अनुसूची अभिप्रेत है,

(ङ) “संयुक्त राष्ट्र संख्या” से ऐसे खतरनाक माल के, जो खतरनाक माल संहिता में बिंदू गए हैं, वर्गीकरण, लेबल लगाने और नेख-निर्देशन पर संयुक्त राष्ट्र की आधिकारिक परिषद् की विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट में क्रम संख्यांक अभिप्रेत है।

3. लागू होना:—(1) नियम 4 से 11, जिसमें दोनों नियम सम्मिलित हैं, निम्नलिखित को लागू होंगे:—

(क) सभी भारतीय पोत, जहां कहीं भी वे हों, और

(ख) भारतीय पोत से भिन्न पोत, जब कि वे भारत के किसी पत्तन में हों या यात्रियों को, चढ़ा या उतार रहे हों अथवा भारतीय अधिकारिता में स्वीरा लादें या उतार रहे हों।

(2) नियम 12 ऐसे सभी पोतों को लागू होगा जिनको नियम 4 से 11 जिसमें दोनों नियम सम्मिलित हैं, लागू नहीं होते हैं, जबकि वे भारत में या भारतीय अधिकारिता के किसी पत्तन में या स्थान पर हों।

(3) उपनियम (1) और उपनियम (2) में निर्दिष्ट सभी पोतों को नियम 13 लागू होगा।

4. खतरनाक माल का वर्गीकरण—इन नियमों के प्रयोजनार्थ, खतरनाक माल निम्नलिखित वर्गों में वर्गीकृत किया जाएगा, अर्थात्:—

वर्ग 1—विस्फोटक:

प्रभाग 1.1: व्यापक जोखिमयुक्त विस्फोट जाने वाले विस्फोटक:—

(किसी लोड का व्यापक विस्फोटन कब कहा जाता है जब विस्फोट सम्पूर्ण लोड को लगभग तत्काल प्रभावित करता है)।

1.1.1. प्रारंभिक विस्फोटक अर्थात् वे प्रयुक्तियां जिनमें विस्फोटक और उनके अपने ज्वलन साधन होते हैं,

738 GII78—6

1.1.2. प्रारंभिक विस्फोटक से भिन्न विस्फोटक पदार्थ अर्थात् वे प्रयुक्तियां जिनमें विस्फोटक होते हैं किन्तु उनमें, उनके अपने ज्वलन साधन नहीं होते,

1.1.3. प्रवृत्ति, बाहक, धुआं या ध्वनि प्रभाव पैदा करने के लिए अभिकल्पित प्रयुक्तियां, ज्वालक (इग्नाइटर स्टार्टर काट्रिजेज) छोटे आयुध गोला-आरुद, आतिशबाजी जिससे प्रचंड रूप से विस्फोट होता है। प्रभाग 1.2 विस्फोटक जो व्यापक रूप से विस्फोटक नहीं होते हैं:—

1.2.1. वे प्रयुक्तियां जिनमें उनके अपने ज्वलन सहित या ज्वलन रहित साधन के विस्फोटक हैं,

1.2.2. प्रारंभिक विस्फोटकों से भिन्न विस्फोटकों के नमूने।

प्रभाग 1.3: कम प्रभाव के या बिना प्रभाग के विस्फोटक जिसमें अग्नि होने का खतरा होता है:—

1.3.1. ऐसे पदार्थ जिनका व्यापक विस्फोटक नहीं होता है किन्तु जिनके ज्वलन से प्रचुर उष्मा विकिरण का उत्पन्न होता है,

1.3.2. ऐसी वस्तुएं जिनका स्वभावतः या जिस ढंग से वे पैक की गई हों उसके परिणामस्वरूप व्यापक विस्फोट नहीं होता और जो प्रायः लग जाने की वशा में, एक के बाद एक अल्प या कोई विस्फोटन का या प्रक्षेपण का प्रभाव पैदा किए बिना जलती है।

वर्ग 2—गैस: वाष्पाशीन, संपीडित, प्रवित या विलीन:

प्रभाग (क): स्थायी गैसें

अर्थात् वे गैसों जो परिवेश, ताप पर दाब से द्रव नहीं बन सकती हैं,

प्रभाग (ख): द्रवित गैसें:

अर्थात् वे गैसों जो परिवेश ताप पर दाब से द्रव बन सकती हैं।

प्रभाग (ग): विलीन गैसें:

अर्थात् विलायक में दाब से विलीन गैसों जो सुगन्ध सामग्री में अवशोषित हो सकती हैं।

प्रभाग (घ): प्रतिप्रशीत स्थायी गैसें

अर्थात् द्रव वायु, आक्सीजन, आदि।

वर्ग 3: ज्वलनशील द्रव:

प्रभाग 3.1 निम्न ज्वलन ताप समूह के द्रव

अर्थात् वे द्रव जिनका 180 से० कम ज्वलन ताप हो संवृतचषक परीक्षण हो, या जिनका ज्वलन-शीलता से भिन्न कुछ आपत्तिजनक गुणधर्म के संयोग से न्यून ज्वलनताप हो,

प्रभाग 3.2 मध्यम प्रज्वलन ताप समूह के द्रव:

अर्थात् वे द्रव जिनका 18° से० तक ज्वलन ताप हो किन्तु इसमें 23° से० सम्मिलित नहीं है, संवृतचषक परीक्षण हो, प्रभाग 3.3 तीव्र ज्वलन ताप समूह के द्रव

अर्थात् वे द्रव जिनका ज्वलन ताप 23° से० तक रहता है किन्तु इसमें 61° से० संवृतचषक परीक्षण, सम्मिलित नहीं है।

वर्ग 4: ज्वलनशील ठोस या पदार्थ

प्रभाग 4.1 ज्वलनशील ठोस:

अर्थात् ऐसा ठोस पदार्थ जिसका सामान्य गुणधर्म बाह्य कारणों जैसे कि जिनगीरियां या लपट से प्रज्वलित होना और शीघ्र बहनशील होना है,

प्रभाग 4.2 अपने आप दहनशील पदार्थ

अर्थात् वे पदार्थ, ठोस या द्रव, जिनका सामान्य गुणधर्म अपने आप जलना और जलना है,

प्रभाग-4.3 नीचे होने पर, वहनशील गैस छोड़ने वाले पदार्थ

अर्थात् ठोस या द्रव पदार्थ जिनका यह सामान्य गुण धर्म है कि जल के सम्पर्क में आने पर उनमें वहनशील गैस निकलती है जिससे कि कुछ वशाओं में, स्वतः ज्वलनशील होने लग सकते हैं।

बर्ग 6 : आक्सिकारक पदार्थ—

प्रभाग 6.1 : आक्सिकारक पदार्थ

अर्थात् वे पदार्थ जो स्वतः वहनशील नहीं होते किन्तु उनमें ऐसी सामग्री होती है जो वहनशील पदार्थों की सीमा ज्वलनशील बनाने में सहायक होती है और जब प्राण लग जाती है तब आक्सिजन देती है जो उसकी तीव्रता बढ़ाती है।

प्रभाग-5.2 : जैविक पैराक्साइड

अर्थात् ऐसे ठोस या द्रव पदार्थ, जो अधिकतर वहनशील होते हैं और जो आक्सिकारक पदार्थ विस्फोटक वियोजन की तरह कार्य करते हैं या अन्य पदार्थों के साथ खतरनाक प्रतिक्रिया करते हैं या तीव्रता से जल सकते हैं या समाघात या ध्वंस ग्राही बन सकते हैं।

बर्ग 8 : विषाक्त (विषैला) और संक्रामक पदार्थ

प्रभाग 6.1 : विषाक्त (विषैले) पदार्थ

अर्थात् ऐसे पदार्थ जिनके निगलने से, श्वास द्वारा अंतर शोषण से या त्वचा स्पर्श होने से मृत्यु हो सकती है या मानव स्वास्थ्य को गंभीर क्षति हो सकती है।

प्रभाग 6.2 : संक्रामक पदार्थ

अर्थात् ऐसे पदार्थ जो सूक्ष्म जीव पैदा करके रोग फैलाते हैं।

बर्ग 7 : रेडियो एक्टिव पदार्थ

अर्थात् ऐसे पदार्थ जो अपने आप महत्वपूर्ण विकिरण छोड़ते हैं, जिनकी विशिष्ट क्रियाशीलता प्रति ग्राम 0.002 माइक्रो-क्यूरी से अधिक होती है।

बर्ग 8 : संक्षारक

अर्थात् ऐसे पदार्थ, ठोस या द्रव, अपनी मूल स्थिति में उनके सामान्य गुणधर्म जीवित ऊतकों या पदार्थ को कम या अधिक क्षति पहुंचाने में समर्थ होते हैं और जिनके पैकेजों से बाहर निकलने से अन्य स्थोरा या पोत को क्षति हो सकती है।

बर्ग 9 : प्रकीर्ण खतरनाक पदार्थ

अर्थात् ऐसे पदार्थ जो बर्ग 1 से बर्ग 8 (जिसमें दोनों बर्ग सम्मिलित हैं) में विनिर्दिष्ट हैं और अथवा विनिर्दिष्ट नहीं हैं और जिनके बारे में अनुभव हुआ है या अनुभव हो सकता है वे खतरनाक प्रकृति के हैं, जिसके कारण इस बर्ग में सम्मिलित पदार्थों को लागू नियमों के उपबंधों को लागू किया जा सके।

5. स्वामी, मास्टर या अधिकर्ता के उत्तरदायित्व

किसी पोत का स्वामी, मास्टर या अधिकर्ता किसी पोत द्वारा मिथ्या वर्णन या घोषणा या प्रमाण-पत्र के अधीन किसी खतरनाक माल के लदान या वहन के लिए जानबूझकर न तो प्रस्थापना करेगा, न तो प्रस्थापना कराएगा या न तो प्रस्थापना के लिए प्रयत्न करेगा।

6. निम्नलिखित उपबंधों के अनुपालन के सिवाय किसी पोत का स्वामी, मास्टर या अधिकर्ता किसी भी पोत में किसी खतरनाक माल को न तो लादेगा, न तो लववाएगा या न तो लादने का प्रयत्न करेगा, अर्थात्:

(1) पैकिंग

(क) नियम (4) में विनिर्दिष्ट प्रत्येक बर्ग के खतरनाक मालों की पैकिंग, आंतरिक पैकिंग की अपेक्षाओं के अनुसार होगी, या यथास्थिति, बाहरी पैकिंग या दोनों के अनुसार होगी/अथवा ऐसे परिणामिक निबंधों के अनुरूप होगी जो ऐसे प्रत्येक आंतरिक और/वाहरी पैकिंग या उसके संयोजन की बाबत

खतरनाक माल संहिता में ऐसे प्रत्येक पदार्थ की बाबत विनिर्दिष्ट है, और ऐसी पैकिंग—

(i) अच्छी तरह से तथा अच्छी हालत में की जाएगी,  
(ii) इस प्रकार की होगी जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि उसका कोई आंतरिक भाग जिससे कि उसकी अंतर्वस्तु उसके सम्पर्क में न आ जाए, जिसके कारण प्रवहना किए जा रहे पदार्थ द्वारा खतरनाक ढंग से प्रभावित न हो जाए,

(iii) जब रेडियो-एक्टिव पदार्थों की पैकिंग के लिए प्रयोग की जाए तब वह इतनी पर्याप्त होनी चाहिए जितनी कि परिस्थितियों के अनुसार पोत के फलक पर के सभी व्यक्तियों को संरक्षण देने के लिए पर्याप्त सुरक्षा के लिए स्थान रहे, और

(iv) समुद्र मार्ग द्वारा वहन किए जाने तथा संचालन के मामूली जोखिम का मुकाबला करने के लिए समर्थ हो।

(ख) खतरनाक माल संहिता द्वारा जब कभी अपेक्षित हो, ऐसी पैकिंग में ऐसे अवशोषक या गद्दीदार वस्तु का प्रयोग किया जाएगा जो पैकिंग के प्रकार तथा अंतर्वस्तु के लिए निर्णयी हो और उसके उपयुक्त हो, उक्त पैकिंग ऐसे पदार्थों की बाबत जिनका फलक पर वहन किया जाना है उक्त संहिता के अपेक्षानुसार किया जाएगा और जब अवशोषक या गद्दीदार वस्तु का प्रयोग पात्रों में के द्रवों की पैकिंग में किया जाए तब वह—

(i) ऐसी होगी जो ऐसे खतरा कम करने में सहायक हो जो उक्त द्रवों द्वारा उत्पन्न हो सके,

(ii) ऐसे ढंग में रखी जाएगी जिससे गति न हो और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि मात्र ऐसी वस्तुओं से घिरा रहे,

(iii) इतनी पर्याप्त मात्रा में होगी कि पात्र को टूट-जाने की दशा में जब कभी युक्तियुक्त रूप में संभव हो, उसके द्रव को सोख ले।

(ग) ऐसे पात्र जिसमें खतरनाक द्रव हों उनमें ऐसी नौदक रिक्ट ऐसे चरण तापमान पर होंगी जो उक्त प्रत्येक द्रव के लिए खतरनाक माल संहिता में विनिर्दिष्ट है और ऐसी नौदक रिक्ट इतनी पर्याप्त होगी जिससे कि सामान्य वहन के दौरान वह उच्चतम तापमान का सामना कर सके जिसका होना संभाव्य है।

(घ) वाष्पीकृत गैसों के सिलिंडर या पात्रों का सन्निर्माण, परीक्षण, अनुरक्षण तथा भरण, खतरनाक माल संहिता में ऐसे सन्निर्माण परीक्षण, अनुरक्षण तथा भरण के सम्बन्ध में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अनुसार किया जाएगा।

(ङ) जहां पात्रों के बनाने में प्लास्टिक सामग्रियों का प्रयोग किया गया है और उक्त पात्र का भाग या अवरोधक (अर्थात् ढक्कन) अथवा दोनों ही खतरनाक पदार्थों के सीधे संपर्क में आ जाना संभाव्य है, वहां वे ऐसे पदार्थों के प्रतिरोधी होने और उनमें ऐसे पदार्थ नहीं होंगे जिससे कि प्रतिक्रिया खतरनाक हो या उससे संकटमय सम्मिश्रण बन जाए या उसे मुलायम, कमजोर बनाने में सहायक हो जाए या पात्रों या अवरोधकों को विकल कर सके। ऐसे पात्रों के सन्निर्माण में प्रयुक्त प्लास्टिक सामग्री ऐसी होगी जो उसकी अंतर्वस्तु के लिए अग्नेय होगी और ऐसी प्रकृति की होगी कि उससे यह सुनिश्चित हो सकेगा कि वह मुलायम कमजोर नहीं होगी अथवा अधिकतम तापमान की दशा में या पुरानी हो जाने के कारण अत्यधिक खराब नहीं होगी।

(च) (i) जहाँ फाइबर बोर्ड बक्से, जिसमें नाली दार फाइबर बोर्ड सम्मिलित है, का उपयोग बाह्य पात्रों के रूप में किया जाता है, वहाँ ऐसे बक्से पर्याप्त रूप में मजबूत होंगे तथा वे जलरोधी होंगे।

(ii) ऐसे बक्सों का उपयोग केवल एक ही वाक्सा तक सीमित होगा जिसके अन्तर्गत नौकास्तरण भी है।

(iii) किसी ऐसे पृथक पदार्थ की दशा को छोड़कर जिसके लिए खतरनाक माल संहिता में वजन की भिन्न परिसीमा विनिर्दिष्ट है, किसी फाइबर बक्से का कुल वजन 40 (चाबीस) किलोग्राम से कम नहीं होगा।

(छ) ऐसे पैकेज, जिनमें निम्नलिखित पदार्थ हों, अर्थात्:

(i) ऐसे पदार्थ जो ज्वलनशील या वाष्प फैलाते हैं,

(ii) ऐसे पदार्थ, यदि उन्हें सूखने दिया जाए तो वे विस्फोटक बन जाते हैं,

(iii) ऐसे पदार्थ जो विषैली गैसों या वाष्प फैलाते हैं, और

(iv) ऐसे पदार्थ जिनका वातावरण में खतरनाक प्रतिक्रिया करना संभाव्य है, इस संबंध में खतरनाक माल संहिता में दिए गए उपबन्धों के अनुसार मुद्रावरण किए जाएंगे।

(2) चिह्न तथा लेबल लगाना

(क) ऐसे प्रत्येक यान, आधान, पैकेज या पात्र पर जिसमें खतरनाक पदार्थ हैं, समुद्र मार्ग द्वारा भेजे जाने से पहले, पोत दस्तावेजों प्रयुक्त उनके सही तकनीकी नाम को चिह्नित किया जाएगा तथा जिन्हें खतरनाक माल संहिता में विहित ऐसे यान, आधान, पैकेज या पात्र में अंतर्बिष्ट पदार्थ को उचित लेबल द्वारा पहचाना जा सके।

परन्तु नियम 4 में वर्ग 9 के अधीन वर्गीकृत किसी खतरनाक पदार्थ की दशा में जिसके लिए कोई विशिष्ट लेबल विहित नहीं किया गया है, कोई ऐसे अन्य लेबल का उपयोग किया जा सकता है जो अंतर्वस्तु की खतरनाक प्रकृति के अन्तर को स्पष्ट करने के लिए पर्याप्त हो।

(ख) ऐसे प्रत्येक यान, आधान, पैकेज या पात्र की बाबत, जिन्हें नौभरण के लिए पेश किया जाता है, समुचित वर्ग चिह्न तथा संयुक्त राष्ट्र संख्या लेबल के समचतुर्भुज के भीतर उपदर्शित किया जाएगा।

(ग) ऐसे प्रत्येक यान, आधान, पैकेज या पात्र पर जिसमें द्वितीयक खतरनाक गुण धर्म या गुण धर्मों वाले पदार्थ हों और जहाँ खतरनाक माल संहिता द्वारा ऐसा करना अपेक्षित है वहाँ लेबल लगाया जाएगा और उक्त लेबल के समचतुर्भुज के भीतर खतरा दिखाने वाला चिह्न भी होगा। किन्तु ऐसे मामलों में खण्ड (ख) में निविष्ट वर्ग चिह्न का दर्शित करना आवश्यक नहीं है।

(घ) खतरनाक माल के परेक्षण के लिए प्रत्येक लैबल—

(i) समुचित लैबल का ठीक प्रतिकृति होगा जिसमें पैकेज में अंतर्बिष्ट पदार्थ के लिए खतरनाक माल संहिता में विहित रंग तथा अन्य मुद्रित वस्तुएं होंगी, और

(ii) जहाँ कभी संभव हो, माप में, दोनों तरफ 10 सें.मी० से कम नहीं होगा।

(3) नौबहन दस्तावेजें

(क) खतरनाक माल के परेक्षण से संबंधित प्रत्येक नौबहन दस्तावेजों में—

(i) परेक्षण की अंतर्वस्तु पर पदार्थ का पूरा या सही तकनीकी नाम जैसा कि खतरनाक माल संहिता में विनिर्दिष्ट है,

उक्त संहिता में वर्णित संयुक्त राष्ट्र की पदार्थ संख्या तथा नियम 4 के अनुसार पदार्थ के वर्ग का विवरण देते हुए, पहचान चिह्न लगाया जाएगा।

(ii) पदार्थ के व्यापार नाम का प्रयोग वहाँ नहीं किया जाएगा जहाँ उसके लिए खतरनाक माल संहिता में तकनीकी नाम दिया गया है, सिवाय उस दशा में जहाँ प्रकीर्ण पदार्थ खतरनाक माल संहिता में अन्यथा विनिर्दिष्ट नहीं है, ऐसे नाम का प्रयोग किया जा सकता है यदि वह भ्रम्य संघटकों और उनके रासायनिक गुण-धर्म और अन्य विशेषताओं के बारे में पर्याप्त रूप से जानकारी देने वाला है।

(iii) यदि उक्त अंतर्वस्तु में दो या उससे अधिक खतरनाक पदार्थों का मिश्रण है तो परेक्षण की पहचान घोषणा उसके अंतर्वस्तु के अत्यधिक संकटमय, संघटकों के नाम में किया जाएगा।

(iv) ज्वलनशील द्रव का तकनीकी नाम यदि वह 61° से.से. है या उससे कम है तो उसके प्रज्वलनताप से अनुपूरित किया जाएगा अथवा ऐसे प्रज्वलन ताप भूप से किया जाएगा जो उसके लिए खतरनाक माल संहिता में दिया गया है।

(ख) समुद्र मार्ग द्वारा खतरनाक माल के बहन किए जाने के लिए नौभरण स्थान के प्रत्येक आवेदन, प्रथम अनुसूची में दिए गए प्ररूप में, किया जाएगा और उक्त आवेदन में निम्नलिखित से संबंधित घोषणा होगी, अर्थात्:—

(i) नौभरण या अन्वेषण चिह्न अथवा दोनों तथा गन्तव्य स्थान का नाम या पता,

(ii) पैकेजों की संख्या,

(iii) पैकेजों के वर्णन,

(iv) प्रत्येक पैकेज में अंतर्बिष्ट पदार्थों के नाम उनके ज्वलनशील द्रवों के प्रज्वलन ताप सहित, यदि कोई हों,

(v) प्रत्येक पैकेज में अंतर्वस्तु का शुद्ध वजन,

(vi) प्रत्येक पैकेज का कुल वजन,

(vii) प्रत्येक पैकेज में अंतर्बिष्ट पदार्थ की या उसके लैबल की प्रकृति की वर्ग संख्या,

(viii) ऐसी अनुपूरक जानकारी, यदि कोई हो, जो परेक्षण के सुरक्षित बहन किए जाने में सहायक हो।

(ग) ऐसे प्रत्येक आवेदन में एक प्रमाण पत्र भी होगा जो यह प्रमाणित करेगा कि—

(i) माल की प्रकृति को देखते हुए मालों को ऐसी रीति में पैक किया गया है कि समुद्र मार्ग से बहन करने में मालों के संभालने में जो मामूली जोखिम होंगे उन्हें सहन कर सकें, और

(ii) बाहर से पैकेजों को इस प्रकार सबल या स्टेन्सिल किया गया है जिससे कि माल की पहचान हो सके तथा खतरे की प्रकृति का, जिसका होना संभाव्य है, पता चल सके।

7. समुद्र द्वारा बहन किए जाने के लिए खतरनाक मालों का प्रतिग्रहण

(1) किसी पोत का स्वामी, मास्टर या अधिकारी,—

(क) नौभरण के लिए पेश किए गए खतरनाक माल के किसी परेक्षण को तब तक प्रतिगृहीत नहीं करेगा जब तक कि उसका

यह समाधान नहीं हो जाता है कि नौभरण, परेषक उसके सेवक या अधिकर्ता द्वारा नियम 8 के उपबंधों का सम्मूह रूप से अनुपालन किया गया है।

(ब) किसी ऐसे खतरनाक माल को जो ऐसा माल है जिसे खुले में लाया नहीं जा सकता है, परेषण के लिए प्रतिगृहीत नहीं करेगा, यदि वह या उसके सेवकों में से कोई यह जानता है या युक्तियुक्त तत्परता बरतने पर, उसकी प्रकृति को ध्यान में रखते हुए, जाना जा सकता था कि उक्त माल ऐसे पैक नहीं किए गए हैं जिससे कि वे समुद्र मार्ग द्वारा बहन किए जाने के मामूली जोखिमों को सहन कर सकें।

(ग) किसी खुले हुए खतरनाक माल को नौवहन के लिए प्रतिगृहीत नहीं करेगा यदि वह या उसके सेवकों में से कोई जानता है या युक्तियुक्त तत्परता बरतने पर जान सकता था या उसके पास विश्वास करने का युक्तियुक्त आधार था कि वह माल खुले में उस गंतव्य स्थान को बहन नहीं किया जा सकता है, जिसकी वह परेषित है।

(2) किसी पोत का स्वामी, मास्टर या अधिकर्ता ऐसे पैकेज या पार्सल को फलक पर ले जाने के लिए हंकार कर सकता है जिसके बारे में यह वर्णन किया गया है कि उनमें खतरनाक माल से भिन्न माल अंतर्विष्ट है किन्तु उसके बारे में उसका सचेत है कि उसमें खतरनाक माल है। और उसके लिए यह अपेक्षा कर सकेगा कि तथ्य को अभिनिश्चित करने के लिए उसे खोला जाए।

(3) खतरनाक माल बहन करने वाले प्रत्येक पोत का मास्टर एक विशेष सूची या माल-सूची तैयार करेगा जिसे फलक पर रखेगा। फलक के सभी खतरनाक मालों के बारे में विस्तृत विनिर्दिष्टियाँ तैयार करेगा या नियम 4 के अनुसार उनके वर्गीकरण, तथा पोत के फलक पर नौभरण के स्थानों के बारे में स्पष्ट करेगा।

परन्तु विशेष-सूची या माल-सूची के स्थान पर मास्टर एक नौभरण नक्शा बनाएगा तथा फलक पर रखेगा। इसमें फलक के सभी खतरनाक मालों की विस्तृत विवरणियाँ होंगी तथा नियम 4 के अनुसार उनके वर्गीकरण और नौभरण के स्थान होंगे।

8. खतरनाक मालों का नौभरण—(1) किसी खतरनाक माल का बहन करने वाला प्रत्येक पोत का स्वामी, मास्टर या अधिकर्ता यह सुनिश्चित करेगा कि फलक पर नौभारिक सभी खतरनाक माल, ऐसे नौभरण के सभी उपबंधों का अनुपालन उक्त संहिता में विनिर्दिष्ट व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना करते हैं जो उनकी बावत खतरनाक माल संहिता में हैं। प्रत्येक ऐसे पोत का मास्टर यह सुनिश्चित करेगा कि—

(क) खतरनाक माल वायव्य "डेक के नीचे" नौभारित किए जाएं,

(ख) विशेषकर फाइबर बक्से "डेक के नीचे" नौभारित किए जाते हैं और वहाँ खंड (ग) में निविष्ट कारणों में से किसी कारण से परिस्थितियों के अनुसार उन्हें "डेक के ऊपर" ले जाना आवश्यक हो जाता है तो पर्याप्त संरक्षण दिया जाए जिससे कि वे मौसम या समुद्री जल के प्रभाव से बच सकें,

(ग) "डेक के ऊपर" नौभरण केवल निम्नलिखित वशाओं में किया जा सकता है, अर्थात्—

(i) जहाँ लगातार पर्यवेक्षण की आवश्यकता है, अथवा

(ii) जहाँ स्थिरा तक पहुंचना विशेष रूप से आवश्यक है,

(iii) जहाँ विस्फोटक गैस संमिश्रण के बचने की अत्यन्त विचित्र धुँएँ के बहने की अपेक्षा ध्यान में नहीं आने वाला जल-जान के संभारण का अत्यधिक जोखिम है,

(घ) जहाँ यह आवश्यक है कि पैकेजों को उनकी अंतर्वस्तुओं के उनकी निमित्त नष्टबाब बढ़ने से या अपघटन रोका जाए वहाँ पैकेजों को विकिरण ताप से ढका रखा जाए जिसमें कड़ी सुरज की धूप भी है।

(ङ) जहाँ डेक के ऊपर खतरनाक मालों का नौभरण किया जाता है, वहाँ वे खुले डेक के पुनः क्षेत्र के 50 प्रतिशत से अधिक स्थान नहीं घेरे तथा बम्बों, ध्वनिकारक पाइपों तथा इसी प्रकार की अन्य चीजों तथा उनके पहुंच को ऐसे डेक स्थिरा से मुक्त तथा साफ रखा जाए।

(2) उपनियम (1) में अंतर्विष्ट उपबंधों की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना खतरनाक माल बहन करने वाला प्रत्येक पोत मास्टर यह सुनिश्चित करेगा कि—

(क) खतरनाक मालों को और खतरनाक माल वाला कोई यान, आधान, पैकेज या पात्र ऐसी रीति से नौभारित किए जाएं जो निरापद हों तथा वे नौभरण के लिए समुचित ढंग के हो अथवा, यथास्थिति, माल के पहचान चिह्न तथा खतरनाक प्रकृति को ध्यान में रखते हुए वे यान, आधान, पैकेज या पात्र हों,

(ख) ऐसा विस्फोटक (गोला-बारूद के सिवाय) जो गंभीर जोखिम उत्पन्न करने वाला हो तो उसे ऐसे मँगजीन में नौभारित किया जाए जो जब समुद्र मार्ग द्वारा ले जाया जा रहा हो, तो उसे सुरक्षित ढंग से बन्द रखा जाए तथा ऐसे विस्फोटकों को उनके अविस्फोटकों से पृथक रखा जाए,

(ग) किसी भी कक्ष में जिनमें विस्फोटकों का बहन किया जा रहा हो, विद्युत साधन तथा केबल इस प्रकार व्यवस्थित तथा उपयोग किए जाएं कि भाग या विस्फोटक का जोखिम कम रहे,

(घ) जहाँ खतरनाक धुँआ फेंकने वाला माल का नौभरण "डेक के नीचे" किया जा रहा हो वहाँ ऐसे नौभरण का स्थान अच्छी तरह हवादार होना चाहिए,

(ङ) ज्वलनशील द्रवों या गैसों के बहन करते समय, जहाँ कहीं आवश्यक हो वहाँ भाग या विस्फोटक से विशेष पूर्वाधानी बरती जाए तथा उन स्थानों में जिसमें द्रवों या गैसों का बहन किया जाता है, परिस्थितियों के अनुसार, पर्याप्त हवा की व्यवस्था होनी चाहिए, तथा

(च) ऐसे पदार्थ जो स्वतः बाह्य योग्य हों, उनका बहन तब तक नहीं किया जाए, जब तक परिस्थितियों के अनुसार, उचित पूर्वाधानी ऐसे पदार्थों के स्वतः बाह्य हो जाने से रोकने के लिए नहीं की जाती।

9. खतरनाक मालों का पृथक्करण—(1) खतरनाक माल बहन करने वाला प्रत्येक ऐसे पोत का स्वामी यह सुनिश्चित करेगा कि फलक पर के सभी खतरनाक माल को खतरनाक माल संहिता में इस संबंध में किए गए उपबंधों के अनुसार, जब कभी आवश्यक हो, इस प्रकार नौभारित किया जाए कि वे एक दूसरे से पृथक रहें।

(2) पृथक्करण के सम्बन्ध में उपधारा (1) में निविष्ट खतरनाक माल की अपेक्षाओं के अतिरिक्त खतरनाक माल बहन करने वाला प्रत्येक पोत का मास्टर यह सुनिश्चित करेगा कि—

(क) असंगत मालों को, अर्थात्, ऐसे माल जब वे एक दूसरे के संपर्क में आते हैं तब उनकी प्रतिया खतरनाक होती हैं, पृथक् रूप में पृथक रखा जाए,

(ख) स्थिरा के अन्य परेषणों में जलने वाले स्रोतों से ज्वलनशील पदार्थों को प्रभावी रूप में पृथक रखा जाए,

(ग) जहाँ कहीं संभव हो अग्नि का पता लगाने के लिए अग्नि रोधकों की, जिनके अन्तर्गत पोतभीत या अन्य स्थोरा सम्मिलित हैं, व्यवस्था की जाए,

(घ) ऐसे पदार्थ जिनमें से पर्याप्त मात्रा में विपैसी गैसें निकलती हैं, जो फलक पर यात्रियों या कर्मियों के लोगों पर या दोनों के स्वास्थ्य को क्षति पहुंच सके उसे प्रभावित कर सके, ऐसे स्थानों में नौभारित न की जाएं जिनमें रहने वाले स्वार्टरों या कार्य क्षेत्रों या संवातन प्रणाली में गैसों प्रवेश न कर सकें,

(ङ) विपैले पदार्थों को खाद्य पदार्थों से दूर नौभारित किया जाए।

(3) उपनियम (1) या यथास्थिति उपनियम (2) के अनुसरण में जब एक ही वर्ग के या विभिन्न वर्गों के या दोनों वर्गों के वहनशील पदार्थ एक दूसरे से पृथक किए जाएं, तब पृथक्करण की अपेक्षाओं को खतरनाक माल के सम्बन्ध में समझा जाएगा, न कि पैकिंग वस्तुओं या निभारों के सम्बन्ध में। इनमें से पश्चात्कथित का प्रयोग, ऐसी दशा में, परिस्थितियों के अनुसार, कम से कम विस्तार तक प्रयोग अनुज्ञात है।

10. यात्री पोतों में खतरनाक मालों का वहन—(1) ऐसा यात्री पोत जिसमें 25 यात्री से अधिक अथवा पोत की लम्बाई के प्रति तीन मीटर में एक से अधिक यात्री, इनमें जो भी अधिक हों, वहन करने वाला पोत, खतरनाक माल का वहन, उसी रीति से और इन नियमों की अपेक्षाओं का अनुपालन करते हुए, कर सकेगा जो स्थोरा पोत के लिए है।

(2) (क) उपधारा (1) में जैसा विनिर्दिष्ट है उससे भिन्न यात्री पोत, निम्नलिखित के सिवाय किसी खतरनाक माल का वहन फलक पर नहीं करेंगे, अर्थात्:—

(i) ऐसे खतरनाक माल, जो ऐसे पोतों द्वारा, खतरनाक माल संहिता में बनाए गए सुसंगत उपबन्धों के अधीन, वहन किए जाने के लिए अनुज्ञात है,

(ii) कोई भी विस्फोटक जिसका कुल भार 9 किलोग्राम से अधिक न हो,

(iii) पोत या वायुयान के उपयोग के लिए संकट संकेत, यदि परेषण का कुल भार एक टन से अधिक नहीं है, और

(iv) द्वितीय अनुसूची में अंकित आतिशबाजी।

(ख) खंड (क) के उपखंड (iii) और उपखंड (iv) के अनुसरण में किसी यात्री पोत में किसी संकट संकेत या आतिशबाजी का वहन, पोत के मास्टर द्वारा उस प्रयोजन के लिए नियुक्त व्यक्ति के पर्यवेक्षण के अधीन हो नौभारित किया जाएगा,

(ग) यात्री पोत चतुर्थ अनुसूची में विनिर्दिष्ट किसी खतरनाक माल को फलक पर वहन करने के लिए स्वीकार नहीं करेगा यदि वे मात्र इस प्रकार के हैं जिसके इस प्रकार वहन किए जाने के लिए केन्द्रीय सरकार के आदेश द्वारा, निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखते हुए, अनुज्ञात नहीं किया गया है, अर्थात्:—

(i) वर्ष के मौसम का,

(ii) तापमान के परिवर्तन का, जिसका सामना पोत को यात्रा के दौरान करना पड़े,

(iii) फलक पर यात्रियों की संख्या, तथा

(iv) सुरक्षा की ऐसी अन्य बातों को जिनपर ध्यान दिया जाना ठीक हो।

11. प्रयोगशाला के रसायन और औषधीय निर्मितियाँ:—इन नियमों में अन्तर्बिष्ट किसी बाल के होते हुए प्रयोगशाला के रसायनों या औषधीय निर्मितियों को अल्प मात्रा में किसी ऐसे पोत के फलक पर वहन किया जा सकता है जिन्हें ये नियम लागू हैं। परन्तु, यह तब जब तृतीय अनुसूची में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं की पूरी तरह अनुपालन किया जाए।

स्पष्टीकरण—इस नियम के प्रयोजन के लिए किसी खतरनाक रसायन को सीमित मात्रा में तब माना जाएगा, जब कि उस रसायन की मात्रा को केन्द्रीय सरकार द्वारा किसी अन्य ऐसे व्यक्ति द्वारा जो इस निमित्त प्राधिकृत किया गया हो, प्राधिकृत या अनुमोदित विस्तार तक सीमित होगा।

12. नियमों का लागू होना:—किसी पोत में किसी खतरनाक माल का वहन तब तक नहीं किया जाएगा जब तक कि—

(क) यदि उक्त पोत सुरक्षा कंवेसन पोत है, तो माल का वहन मालों को वहन के सम्बन्ध में, उस देश की विधि के अनुसार जिसमें वह पोत रजिस्ट्रीकृत है, वहन किया जाता है तब उस विधि के सभी उपबन्धों का, जहां तक कि वे लागू किए जा सकते हैं, अनुपालन किया गया है।

(ख) उक्त पोत कोई अन्य पोत है तो इन नियमों के ऐसे उपबन्ध जिनका अनुपालन किया जाना उस दशा में अपेक्षित होता यदि उनका अनुपालन उक्त मालों को भारत में किसी पोत के फलक पर वहन किए जाने के लिए किया जाता:

परन्तु केन्द्रीय सरकार, यदि उसका समाधान हो जाता है कि समुद्र मार्ग द्वारा वहन किए जाने वाले खतरनाक माल के सम्बन्ध में, ऐसे देश की विधि की अपेक्षाओं का अनुपालन किया गया है, जिसमें वह पोत रजिस्ट्रीकृत है, तो किसी पोत को ऐसे नियमों की अपेक्षाओं से छूट वे सकती है जिनका ऐसे पोत के मामले में खंड (ख) के आधार पर अनुपालन किया जाना अपेक्षित है। और ये अपेक्षाएं इन नियमों के तत्स्थानी अपेक्षाओं से कम नहीं होना चाहिए।

13. शास्तियाँ—पोत का प्रत्येक स्वामी, मास्टर या अधिकर्ता जो इन नियमों के किन्हीं उपबन्धों का उल्लंघन करेगा अथवा उनके अनुपालन करने में असफल रहेगा जिनका अनुपालन करना उसका कर्तव्य है, तो वह कारावास से, जिसकी अवधि दो वर्ष तक की हो सकेगी या जुर्माने से, जो दस हजार रुपये तक हो सकेगा, या दोनों से, और यदि अपराध बराबर बने रहने वाला है तो अतिरिक्त जुर्माने से भी दंडनीय होगा जो ऐसे प्रत्येक दिन के लिए, जिसके दौरान ऐसा प्रथम उल्लंघन बना रहता है, पचास रुपये तक का हो सकेगा।

## प्रथम अनुसूची

[देखिये नियम 5(3) (ख)]

समुद्र मार्ग से खतरनाक माल बहन के लिए पोत स्थान के लिए आवेदन प्रपत्र

प्रेषक : .....

प्रेषती : .....

मोटर जलयान/मोटर पोत/वाष्प पोत .....

के स्वामी/अधिकारी

कृपया मोटर जलयान/मोटर पोत/वाष्प पोत ..... द्वारा ..... से ..... तक निम्न

माल के पोत नौभरण के लिए स्वीकृति की पुष्टि करें। प्रस्तुत परेक्षण के संबंध में निम्न विवरण दिया है जो सही प्रमाणित किया गया है।

पोत परिवहन चिह्न	पैकेज की संख्या	पैकेजों का विवरण	पदार्थ का नाम (स्फुरक सहित यदि कोई हो)	अन्तर्वस्तु का कुल भार	पैकेज का कुल भार	पदार्थ या लैबल प्रतिकृति की वर्ग संख्या	पदार्थ की संयुक्त राष्ट्र सं०	अनुपूरक विवरण यदि कोई हो
------------------	-----------------	------------------	--	------------------------	------------------	---	-------------------------------	--------------------------

यह प्रमाणित किया जाता है कि माल की प्रकृति को देखते हुए मालों को ऐसी रीति से पैक किया गया है कि समुद्र मार्ग से बहन करने में मालों के संभालने में जो मामूली जोखिम होंगी उन्हें सहन कर सकें, और बाहर से पैकेजों की इस प्रकार लैबल या स्टेन्सित किया गया है जिससे कि माल की पहचान हो सके तथा खतरे की प्रकृति का, जिसका होना संभाव्य है, पता चल सके, समुद्र में प्राणरक्षा के लिए अन्तरराष्ट्रीय कन्वेंशन, 1960 की संयुक्त अपेक्षाओं के अनुसार किया गया है।

की और से हस्ताक्षर/प्रेषक का नाम और पता

## द्वितीय अनुसूची

[देखिये 10(2)(क)(iv)]

## आतिशबाजी

1. खिलाता बंदूक के लिए अमोरसिस या कागजी गोलियां
2. अस्पृशियम बैटरियां
3. चीनी पटाखे लंबाई में 3 इंच से और व्यास में 1/2 इंच से अधिक
4. फ्लायर पाट्स या फाउन्टेन
5. जर्म
9. लान्सीस
7. मैग्नेसियम बैटरियां
8. मरून (तार मरून से भिन्न) कुल भार में 4 औंस या लंबाई में 4 इंच से अधिक
9. फरोव्य सर्प या सांप भण्डे
10. रोमन मोमबत्तियां
11. स्फुल्लिंग
12. खिब
13. साप
14. चक्र
15. आहुई मोमबत्तियां

उपर्युक्त आतिशबाजी, अमोरसिस से भिन्न, में स्वतः प्रज्वलन साधन के अन्तर्विष्ट नहीं होने चाहिए।

## तृतीय अनुसूची

(नियम 11 देखिये)

प्रयोगशाला रसायनों तथा औषधीय निमित्तियों के बहन किए जाने की अपेक्षाओं का सीमित मात्रा में होना।

1—साधारण (1) इस अनुसूची द्वारा उपबंधित निर्बंधन तथा शिथिलताएं केवल प्रयोगशाला रसायनों तथा औषधीय निमित्तियों को लागू होंगी और वे सौदर्य निमित्तियों प्रसाधनों सुगंधित उत्पादों को या ऐसे पदार्थों को जिनका प्रयोग प्रयोगशाला रसायन या औषधीय निमित्तियों से भिन्न रूप में किया जाना आशयित है, लागू नहीं होंगी।

(2) इस अनुसूची के उपबंधों का अनुपालन करते हुए पोत परिवहन के लिए प्रस्तुत की गई पेटियों में केवल एक ही रसायन या औषधीय पदार्थ होने चाहिए अथवा ऐसे पदार्थों के संग्रह होने चाहिए परन्तु ऐसे पदार्थों का किसी किसी पोत द्वारा या पोतों के किसी वर्ग द्वारा बहन किया जाना इन नियमों द्वारा अभिव्यक्त रूप से निषिद्ध नहीं किया गया है तथा वे खतरनाक माल संहिता के सुसंगत उपबंधों के अनुसार पर्याप्त रूप से पैक किए गए हों।

2 नौभरण इस अनुसूची के उपबंधों के अधीन पोत परिवहन के लिए प्रस्तुत की गई पेटियों डेक के नीचे नौभरित की जा सकेंगी। जब इस प्रकार नौभरण किया जाए, तो जहां कहीं संभव हो, उन्हें उपर नौभरण किया जाना चाहिए और अभिनयन प्रयोजनों के लिए उस तक सरलता से पहुंचा जा सके। जब तक कि खतरनाक माल संहिता द्वारा ऐसे नौभरण के लिए अनुज्ञात नहीं किया जाए ज्वलनशील द्रवों का नौभरण उस स्थान पर नहीं किया जाएगा। ऐसी पेटियों को डेक के ऊपर नौभरित किया जाना चाहिए, यदि परेक्षण में कोई ज्वलनशील द्रव है तो उसे विस्फोटकों से इंजिन कमरों तथा बायलर स्थानों द्वारा पृथक कर देना चाहिए। यदि कोई ज्वलनशील द्रव परेक्षण में सम्मिलित किया गया है, तो ऐसी पेटियों तथा विस्फोटकों को पृथक होल्ड में नौभरित किया जाना चाहिए।

3. परिमाण की सीमा :—(1) टोस : किसी एक आंतरिक आधान अधिक से अधिक 5-1/2 कियामे परिमाण का टोस पदार्थ पैक किया जाना चाहिए किन्तु यदि खतरनाक माल संहिता द्वारा किसी टोस पदार्थ के लिए कोई निम्नतर सीमा अभिव्यक्त रूप से उपबंधित की गई है तो पैकिंग उस सीमा के अनुसार किया जाएगा।

(2) द्रव :—किसी एक निकटस्थ आधान में अधिक से अधिक 3 लीटर परिमाण का द्रव पदार्थ पैक किया जाना चाहिए किन्तु यदि खतरनाक माल संहिता द्वारा किसी द्रव पदार्थ के लिए कोई निम्नतर सीमा उपबंधित की गई है तो उसी सीमा के अनुसार किया जाएगा।

(3) कुल भार :—किसी एक पेटि का कुल भार कियामे से अधिक नहीं होगा।

(4) संपूर्ण कुल भार :—ऐसी पेटियों का संपूर्ण कुल भार जो याली पोत में डेक के नीचे नौभरित की जाए, 25 टन से अधिक नहीं होगा।

(5) जब कि पदार्थ टिकियों के रूप में हों या जब वे सीलबंद आधानों में पैक किए गए हों जैसे कि एम्पूल्स या कैपसूल्स के रूप में हों, तो ऐसे प्रत्येक एम्पूल्स या कैपसूल्स शुद्ध 15 ग्राम से अधिक के नहीं होने चाहिए, इस पैरा के पैरा (1) के अधीन अनुज्ञेय शुद्ध परिमाण को दुगुना कर दिया जाना चाहिए।

4-एक पेटी में पैक किए गए पदार्थों की असंगति :- यह संभव है कि पेटी के आसक्ति पैकिजों में ऐसे पदार्थ सम्मिलित किए गए हों जिनकी प्रतिक्रिया खतरनाक हो सकती है तथा वे-

- (1) या तो अधिक ताप या बहुत शीलता उत्पन्न करा सकती है,
- (2) या तो ज्वलनशील या विप्लो गैस उत्पन्न करा सकती है, या
- (3) संक्षारण द्रव बना सकती है।

ऐसे पदार्थ जिनके कारण खतरनाक प्रतिक्रिया होनी संभव है, उन्हें अच्छी तरह एक दूसरे से अलग रखा जाएगा। ऐसे पदार्थ जो एक साथ एक पेटी में पैक किए गए हैं, उन्हें चुना जाएगा तथा उन्हें समुचित तथा प्रभावकारी रूप में ऐसे बंद पात्रों में उपयुक्त अवशोषक या संरक्षार्थक पदार्थ से बंद किया जाएगा जिससे कि एक पदार्थ की प्रतिक्रिया के खतरे से दूसरे को रोका जा सके। विशेषकर ऐसे चुनाव, खतरनाक माल संहिता द्वारा विहित निषेधों के अनुरूप अवश्य होने चाहिए।

5- अनुपालन का प्रमाण पत्र :- इस अनुसूची के उपबंधों के अधीन पोत बहन के लिए प्रस्तुत परिषणों के साथ इन नियमों की किन्हीं अन्य अपेक्षाओं के अतिरिक्त, एक प्रमाण पत्र भी होगा जो इस अनुसूची की अपेक्षाओं का अनुपालन किए जाने को प्रमाणित करते हुए पोतवणिक द्वारा हस्ताक्षरित होगा।

निष्पण : इस अनुसूची के अंत में प्रमाणपत्र का एक नमूना दिखाया गया है।

9-सेबल लगाया :- इस अनुसूची के उपबंधों के अधीन पोतबहन के लिए प्रस्तुत प्रत्येक परिषण पर इन नियमों की अपेक्षाओं के अनुसार सेबल लगाया जाएगा।

7 क्लोरेट्स (1) क्लोरेट्स के मामले में निकटस्थ आधान स्थिति व्यापक औद्योगिक सामग्री से घिरे होंगे तथा बाह्य आधान से सुभिन्न औद्योगिक सामग्री के पृथक् मध्यवर्ती आधान में पैक किए जाएंगे। किसी एक मध्यवर्ती आधान में एक किलोग्राम से अधिक नहीं पैक किया जाएगा। जैसा उपपरा (2) में उपबंधित है उसके सिवाय क्लोरेट्स के संपर्क में छोटे मोमी गत्ते के अस्तर के सिवाय कोई नई या औद्योगिक सामग्री नहीं होगी।

(2) यदि क्लोरेट उपयुक्त परिवेष्टन साधन के सहित या उसके बिना टिकिया के रूप में है और ऐसे बोतलों में पैक है जिसके प्रत्येक बोतल में 170 ग्राम क्लोरेट से अनधिक क्लोरेट नहीं है तो कोई भी इतनी पर्याप्त मात्रा में प्रयोग किया जाना चाहिए जिससे कि बोतल के भीतर टिकियों का हिलना रोका जा सके। बोतलों को बाह्य पेटी से भिन्न पृथक् मध्यवर्ती आधान में गत्ते के डिब्बों में पैक किया जाना चाहिए। किसी एक मध्यवर्ती आधान में एक किलोग्राम से अधिक क्लोरेट नहीं पैक किया जाना चाहिए और प्रत्येक पेटी में 5 1/2 किलोग्राम से अधिक नहीं पैक किया जाना चाहिए।

8-ज्वलनशील द्रव :- (1) जैसा उपपरा (2) में उपबंधित है उसके सिवाय किसी एक पेटी में 23 से० ग्रे० से निम्न स्फुरांक के ज्वलनशील द्रव, शुद्ध भार में 5-8 लिटर से अधिक नहीं होगा। (2) जब 23 से० ग्रे० निम्न स्फुरांक के किसी ज्वलनशील द्रव में केवल एक्कोहन या एल्को-हासिक घोल या टिंबर, जिसका स्फुरांक 15.5 से० ग्रे० से कम नहीं है, है, सब ऐसे द्रवों को डेक के नीचे बहन किया जा सकता है, परंतु यह सब जब कि मध्यवर्ती आधान में 13 लिटर से अधिक नहीं हो तथा किसी पेटी में 45 लिटर से अधिक नहीं हो।

9- वायु स्थान तथा पैकिंग :- (1) जहाँ खतरनाक माल संहिता द्वारा किसी पदार्थ के लिए वायु स्थानों या पैकिंग के तरीकों के बारे में सिफारिश की गई है, वहाँ ऐसे वायु स्थान या तरीके इस अनुसूची के उपबंधों के अधीन नोबहन को भी लागू होंगे सिवाय उस दशा के जिसमें परिमाणात्मक निर्बन्धन खतरनाक माल संहिता तथा इस अनुसूची में विहित किए गए हैं वहाँ इनमें से जो भी निम्न होगा, वहीं अभिप्रायी होगा।

अनुपालन प्रमाणपत्र

(पैरा 5 देखिए)

ऐसी पेटियों की बाबत जिनमें प्रयोगशाला रसायन या औषधीय निमित्तिया अथवा दोनों हैं, सीमित परिमाण में पोतों में खतरनाक माल तथा विस्फोटकों के बहन किए जाने के लिए तृतीय अनुसूची की अपेक्षाओं के अनुसार।

पेटी सं०-----

पोत परिवहन चिन्ह :- इसके द्वारा हम प्रमाणित करते हैं कि उपर्युक्त प्रत्येक पेटी, मर्चेंट शिपिंग (कैरिज ग्राफ डेजरस गुड्स) रूल्स, 1978 की तृतीय अनुसूची के सीमित परिमाण में ऐसी पेटियों के बहन की बाबत जिनमें प्रयोगशाला रसायन या औषधीय निमित्तिया, अथवा दोनों हैं, उपबंधों के अनुसार संपूर्ण अनुपालन में किया गया है तथा बाबतों के साथ-साथ--

- (1) पेटियों में ऐसे पदार्थ होने चाहिए जो केवल प्रयोगशाला या औषधीय उपयोग के लिए हों।
- (2) इन नियमों द्वारा प्रतिषिद्ध कोई पदार्थ इन किसी भी पेटी में सम्मिलित नहीं होना चाहिए।
- (3) यदि पूर्वोक्त नियमों द्वारा किसी पदार्थ को उसके परिमाण के बारे में निर्बन्धित किया गया है, तो ऐसा कोई भी पदार्थ किसी मध्यवर्ती आधान में अथवा किसी पेटी में अथवा किसी परिषण में उस परिमाण से अधिक नहीं होना चाहिए जितना कि उक्त नियमों द्वारा अनुज्ञात किया गया है।
- (4) उपर्युक्त संख्यांकित किसी भी पेटी में कोई दो या उससे अधिक पदार्थ नहीं होने चाहिए जिसे उक्त नियमों के पैरा 4 द्वारा अधिरोपित निर्बन्धनों द्वारा एक ही पेटी में पैक किए जाने के लिए प्रतिषिद्ध किया गया है।
- (5) प्रत्येक ऐसी पेटी को पैक करने में उपयोग की गई पैकिंग सामग्री, अवशोषक पदार्थ, या पृथक्करण सामग्री ऐसी होनी चाहिए जो उसके लिए उपयुक्त हो तथा उक्त नियमों द्वारा प्रत्येक ऐसी पेटी में पैक पदार्थों के संबंध में प्रतिषिद्ध नहीं हों।
- (6) किसी पेटी का कुल भार 50 कि० ग्रा० से अधिक नहीं होना चाहिए।

[5-एम एस आर (1)/73 एम ए]

New Delhi, the 23rd October, 1978

#### MERCHANT SHIPPING

G.S.R. 1316.—In exercise of the powers conferred by section 331, read with section 458 of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958) and in supersession of the Indian Merchant Shipping (Carriage of Dangerous Goods) Rules 1954, except as respects things done or omitted to be done, the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Merchant Shipping (Carriage of Dangerous Goods) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires—

- (a) 'Act' means the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958).
- (b) 'Dangerous Goods Code' means the 'International Maritime Dangerous Goods Code' prepared and published by the Inter-Governmental Maritime Consultative Organisation as amended from time to time;
- (c) 'Safety Convention Ship' means a ship registered in a country which has ratified the International Convention on Safety of Life at Sea, 1960 or, as the case may be, in a territory to which the provisions of the said convention have been extended;
- (d) 'Schedule' means the schedule to these rules;
- (e) 'United Nations Number' means serial number assigned to a dangerous substance in the report of the Committee of Experts of the Economic Council of the United Nations on classification, labelling and documentation of dangerous goods, as reproduced in the Dangerous Goods Code.

3. Application.—(1) Rules 4 to 11, both inclusive, shall apply to :—

- (a) all Indian ships wherever they may be; and
- (b) Ships other than Indian ships while they are within any port in India or are embarking or disembarking passengers or are loading or discharging cargo within Indian jurisdiction.

(2) Rule 12 shall apply to all ships to which rules 4 to 11, both inclusive, do not apply, while they are at port or place in India or within Indian Jurisdiction.

(3) Rules 13 shall apply to all ships referred to in sub-rules (1) and (2).

4. Classification of dangerous goods.—For the purposes of these rules, dangerous goods shall be classified into the following classes, namely :—

#### Class I—Explosives

Division 1.1: Explosive with a mass explosion risk.—[A load is said to explode en-masse when the explosion affects the entire load almost instantaneously].

1.1.1. Initiating explosives, that is to say contrivances which contain both explosives and their own means of ignition;

1.1.2 Explosive substances other than initiating explosives that is to say contrivances containing explosives but not their own means of ignition;

1.1.3 Contrivances designed to produce illumination, incendiary, smoke or sound effects; ignitors; starter cartridges; small arms ammunition; fire works liable to explode violently.

Division 1.2 : Explosives which do not explode en-masses

1.2.1 Contrivances containing explosives, with or without their own means of ignition;

1.2.2 Samples of explosives other than initiating explosives.

Division 1.3 Explosives having a fire hazard with Minor or no explosion effects.

1.3.1 Substances which cannot explode en-masse but the ignition of which gives rise to considerable heat radiation;

1.3.2 Articles which, by their nature, or as a result of the manner in which they are packed, cannot explode en-masse and which, in the event of fire, burn one after another producing minor or no explosion or projections effects.

Class 2—Gases : Compressed, liquified or dissolved under pressure :

Division (a) Permanent gases.—That is to say gases which can become liquids under pressure ambient temperatures;

Division (b) Liquified gases.—That is to say gases which become liquids under pressure at ambient temperatures;

Division (c) Dissolved gases.—That is to say, gases dissolved under pressure in a solvent, which may be absorbed in a porous material;

Division (d) Deeply refrigerated permanent gases.—That is to say liquid air, oxygen, etc.

#### Class 3—Inflammable liquids.

Division 3.1 Liquids of low flash point group.—That is to say liquids having flash point below 180°C, closed cup test, or possessing a low flash point in combination with some dangerous property other than inflammability;

Division 3.2 Liquids of intermediate flash point group.—That is to say liquids, having a flash point of 180°C upto, but not including, 23°C, closed cup test;

Division 3.3 Liquids of high flash point group.—That is to say, liquids having a flash point of 23°C upto, but not including, 61°C, closed cup test.

#### Class 4—Inflammable solids or substances.

Division 4.1 Inflammable solids.—That is to say, solid substances possessing the common property of being easily ignited by external sources, such as sparks or flame, and of being readily combustible.

Division 4.2 Spontaneously combustible substances.—That is to say substances, solid or liquid, possessing the common property of being liable spontaneously to heat and to ignite.

Division 4.3 Substances emitting inflammable gases when wet.—That is to say, substances, solid or liquid, possessing the common property, when in contact with water, of evolving inflammable gases which in some cases may be liable to spontaneous ignition.

#### Class 5—Oxidizing Substances

Division 5.1 Oxidizing substances.—That is to say, substances which are not themselves combustible but possess the property of rendering combustible material easily inflammable and of giving off oxygen when involved in a fire and thus increasing its intensity.

Division 5.2 Organic peroxides.—That is to say, substances, solid or liquid which are mostly combustible and are liable to act on oxidizing substances and explosive decomposition, or may react dangerously with other substances or burn rapidly or may become sensitive to impact or friction.

#### Class 6—Poisonous (toxic) and infectious substances.

Division 6.1 Poisonous (toxic) substances.—That is to say, substances which are liable to cause death or serious injury to human health if swallowed, inhaled or by skin contact.

Division 6.2 Infectious substances.—That is to say substances containing disease producing micro-organisms.

Class 7—Radio active substances.—That is to say, substances, which spontaneously emit a significant radiation and of which the specific activity is greater than 0.002 microcurie per gram.

Class—8—Corrosives.—That is to say solid or liquid possessing, in their original state, the common property of being able, more or less severely, to damage living tissues or substance the escape of which from their packages may cause damage to other cargo or to the ship.

Class 9.—Miscellaneous dangerous substances. that is to say, substance not otherwise specified in classes 1 to 8 (both inclusive), which experience has shown or may show to be of such a dangerous character as to attract the provisions made in these rules applicable to substances included in this class.

Responsibilities of owner, master or agent.

5. No owner, master or agent of a ship shall knowingly offer, cause to offer or attempt to offer for shipment or transport any dangerous goods by any ship under a false description or declaration or certificate.



6. No owner, master or agent of a ship, shall ship, cause to ship or attempt to ship any dangerous goods by any ship except in compliance with the following provisions, namely :—

(1) Packing :—

(a) The packing of dangerous goods falling under each class of such goods specified in rule 4 shall comply with the requirements relating to inner packing or, as the case may be, outer packing or both/or quantitative restrictions for each type of such inner and/or outer packing or combination of such packing as specified in respect of each substance in the Dangerous Goods Code and such packing shall be—

(i) well made and in good condition ;

(ii) of such character as to ensure that any interior surface with which the contents may come into contact is not dangerously affected by the substance being conveyed ;

(iii) adequate, when used for packing radio-active substances, to allow a margin of safety sufficient in the circumstances to protect all persons on board the ship ; and

(iv) capable of withstanding the ordinary risk of handling and of carriage by sea:

(b) Wherever the Dangerous Goods Code so requires, absorbent or cushioning material, which is inert and suited to the nature and contents of the package, shall be used in such packing in accordance with the requirements of the said Code in respect of the substance to be carried on board and when such absorbent or cushioning material is used in the packing of liquids in receptacles, it shall be—

(i) capable of minimising the dangers to which the liquid may give rise ;

(ii) so disposed as to prevent movement and ensure that the receptacles remain surrounded by such material ; and

(iii) in sufficient quantity, wherever reasonably possible, to absorb the liquid in the event of breakage of the receptacle.

(c) Receptacles containing dangerous liquids shall have an ullage at the filling temperature as specified for each such liquid in the Dangerous Goods Code and such ullage shall be sufficient to allow for the highest temperature likely to be met during the course of normal carriage.

(d) Cylinders or receptacles for gases under pressure shall be constructed, tested, maintained and filled in accordance with the requirements in relation to such construction, testing, maintenance and filling as specified in the Dangerous Goods Code.

(e) Where containers are made of plastic materials parts of such containers or stoppers (that is to say closures) or both which are likely to come in direct contact with a dangerous substance shall be resistant to such substance and shall not contain materials which may react dangerously or form hazardous compounds or lead to softening, weakening or failure of the container or stopper. Plastic material used for the manufacture of such containers shall be impermeable to the contents and it shall be of such a character as to ensure that it does not soften, embrittle or deteriorate to a significant degree under conditions of extremes in temperature or due to ageing.

(f) (i) Where fibreboard boxes, including corrugated fibreboard boxes are used as outer containers such boxes shall be adequately strong and water resistant.

(ii) The use of such boxes shall be limited only for one single voyage which may include a trans-shipment voyage.

(iii) Except in the case of any individual substance for which a different limitation of weight has been specified in the Dangerous Goods Code, the gross weight of a fibreboard box shall not exceed 40 (forty) K. grams.

(g) Packages containing the following substances, namely :—

(i) substances evolving inflammable gases or vapours ;

(ii) Substances which become explosive if allowed to dry ;

(iii) Substances evolving toxic gases or vapours ; and

(iv) Substances which are likely to react dangerously with the atmosphere ;

shall be hermetically sealed in accordance with the provisions in this regard made in the Dangerous Goods Code.

(2) Marking and Labelling :

(a) Every vehicle, container, package or receptacle containing a dangerous substance shall, before it is offered for transport by sea, be clearly marked with its correct technical name used in the shipping documents and identified by means of an appropriate label prescribed in the Dangerous Goods Code for the substance contained in such vehicle, container, package or receptacle.

Provided that in the case of any dangerous substance classified under Class 9 in the rule 4 for which no specific label has been prescribed, any other label which is adequate to distinguish the hazardous nature of the contents may be used.

(b) In respect of every vehicle, container, package or receptacle offered for shipment the appropriate class symbol and the 'United Nations Number' shall be indicated within the diamond on the label.

(c) Every vehicle, container, package or receptacle which contains a substance which possessed secondary dangerous property or properties shall, where the Dangerous Goods Code so requires, be labelled with the symbol denoting the hazard within the diamond ; in such cases, the class symbol referred to in clause (b) may not be indicated.

(d) Every label used for labelling a consignment of dangerous goods shall be—

(i) an exact facsimile of the appropriate label including colours and other printed matters as prescribed in the Dangerous Goods Code for the substance contained in the package ; and

(ii) not less than 10 cms. in measurement on each side, wherever possible.

(3) Shipping documents :

(a) In every shipping document relating to a consignment of dangerous goods—

(i) The contents of the consignment shall be identified by giving the full and correct technical name of the substance as specified in the Dangerous Goods Code, the United Nations Number of the substance as indicated in the said Code and the Class of the substance in accordance with rule 4 ;

(ii) Trade name of a substance shall not be used where a technical name is provided for it in the Dangerous Goods Code except that in the case of miscellaneous substances not otherwise specified in the Dangerous Goods Code, such name may be used if it is sufficiently informative about the constituent ingredients of the substance and its chemical properties and other characteristics.

(iii) The identifying declaration of a consignment shall be made in the name of most hazardous constituent of its contents, if such contents constitute a mixture of two or more dangerous substances.

- (iv) The technical name of an inflammable liquid shall be supplemented by its flash point where it is 61°C or below or by the flash point group to which it is attributed in the Dangerous Goods Code.
- (b) Every application for shipping space for the transport of dangerous goods by sea shall be made in the form set out in the First Schedule and such application shall contain a declaration relating to—
  - (i) Shipping or forwarding mark or both and destination or address;
  - (ii) Number of packages;
  - (iii) Description of packages;
  - (iv) Names of substances contained in each package with flash points of inflammable liquids, if any;
  - (v) Nett weight of the contents in each package;
  - (vi) Gross weight of each package;
  - (vii) Class number of the substance contained in each package or its label facsimile; and
  - (viii) Supplementary information, if any, which is conducive of safe carriage of the consignment.
- (c) Every such application shall also contain a certificate certifying that—
  - (i) the goods are packed in a manner adequate to withstand the ordinary risks of handling and transport by sea, having regard to the nature of the goods; and
  - (ii) the packages are labelled or stencilled on the outside to indicate the identity of the goods and the nature of the danger they are likely to give rise to.

#### 7. Acceptance of dangerous goods for transport by sea.—

##### (1) The owner, master or agent of any ship shall not—

- (a) accept any consignment of dangerous goods offered for shipment unless he satisfies himself that the provisions of rule 6 have been duly complied with by shipper, consigner, his servant or agent;
- (b) accept for shipment any dangerous goods being goods not loaded in bulk if he or any of his servants knows, or could with reasonable diligence, have known that having regard to their nature, the goods are not packed in a manner adequate to withstand the ordinary risks of handling and transport by sea;
- (c) accept for shipment any dangerous goods in bulk if he or any of his servants knows or could, with reasonable diligence, have known or had reasonable grounds, for believing that the goods cannot be safely carried in bulk to the destination to which they are consigned.

(2) The owner, master or agent of any ship may refuse to take on board any package or parcel described to contain goods other than dangerous goods but which he suspects to contain dangerous goods and may require it to be opened to ascertain the fact.

(3) The master of every ship carrying dangerous goods shall prepare and keep on board a special list or manifest setting out therein the detailed particulars of all dangerous goods on board, their classification in terms of rule 4 and places where they are stowed on board ship.

Provided that in place of the special list or manifest, the master may prepare and keep on board a stowage plan showing detailed particulars of all dangerous goods on board, their classification in terms of rule 4 and places where they are stowed on board ship.

8. Stowage of dangerous goods.—(1) The owner, master or agent of every ship which carries any dangerous goods shall ensure that the stowage of all dangerous goods on board complies with provisions in respect of such stowage made

in the Dangerous Goods Code without prejudice to the generalities in any respect specified in the said Code, the master of every such ship shall ensure that—

- (a) dangerous goods are, as far as practicable stowed under deck;
- (b) fibre board boxes, in particular, are stowed 'under deck' and where circumstances make it necessary to stow them 'on deck' for any of the causes referred to in clause (c) adequate protection is afforded to prevent them from being exposed to the weather or to sea water;
- (c) stowage 'on deck' is restricted only to cases where—
  - (i) constant supervision is required; or
  - (ii) accessibility to cargo is particularly required; or
  - (iii) there is a substantial risk of formation of explosive gas mixtures, development of high toxic vapours or unobserved corrosion of the vessel.
- (d) the packages are shaded from radiant heat, including strong sunlight, where it is necessary to prevent pressure build up in or decomposition and polymerisation of their contents.
- (e) when dangerous goods are stowed on deck they do not occupy more than 50 per cent of the total open deck area and hydrants, sounding pipes and the like and accesses thereto are kept free and clear of such deck cargo.

(2) Without prejudice to the provisions contained in sub-rule (1) the master of every ship carrying dangerous goods shall ensure that—

- (a) dangerous goods and any vehicle, container, package or receptacle containing dangerous goods are stowed in a manner which is a safe and proper manner of stowage for the goods or, as the case may be, for the vehicle, container, package or receptacle, having regard to the identity and the dangerous nature of the goods;
- (b) explosive (except ammunition) which present a serious risk are stowed in a magazine which is kept securely closed while at sea and that such explosives are segregated from detonators;
- (c) the electrical apparatus and cables in any compartment in which explosives are carried are so designed and used as to minimise the risk of fire or explosion;
- (d) when goods which give off dangerous vapours are stowed 'under deck' the space used for such stowage is well ventilated;
- (e) special precautions against fire or explosion are taken, wherever required, while carrying inflammable liquids or gases; and ventilation adequate in the circumstances is provided for the spaces in which the liquids or gases are carried; and
- (f) substances which are liable to spontaneous combustion are not carried unless precautions, proper in the circumstances, are taken for the prevention of spontaneous combustion of such substances.

9. Segregation of dangerous goods.—(1) Master of every ship which carried dangerous goods shall ensure that all dangerous goods on board are so stowed that they are segregated from each other, wherever necessary, in accordance with the provisions made in this regard in the Dangerous Goods Code.

(2) In addition to the requirements in relation to the segregation of dangerous goods referred to in sub-rule (1) the master of every ship which carries dangerous goods shall ensure that—

- (a) incompatible goods, that is to say, goods which react dangerously when they come into contact with each other, are adequately segregated;

- (b) inflammable substances are effectively segregated from ignition sources in other consignments of cargo.
- (c) fire stops, including bulk heads or other cargoes, are provided wherever practicable, with a view to localising fire ;
- (d) substances evolving toxic gases in sufficient quantities to affect or injure health of passengers or crew or both aboard are not stowed in spaces from where gases may penetrate into living quarters or work areas or ventilation system ;
- (e) Toxic substances are stowed away from all food-stuffs.

(3) When combustible substances of the same or different classes or both are segregated from each other in pursuance of sub-rule (1) or, as the case may be, sub-rule (2) the requirements of segregation shall be construed to be in relation to dangerous goods and not in relation to packaging materials or dunnages, the use of the latter being limited in such cases to the least possible extent permissible under the circumstances.

10. Carriage of dangerous goods in passenger ships.—(1) Passenger ships carrying not more than 25 passengers or not more than one passenger for every three metres of ships length, whichever is greater, may carry dangerous goods in the same manner as cargo ships complying with the requirements of these rules.

(2) (a) Passenger ships other than those specified in sub-rule (1) shall not carry any dangerous goods on board except—

- (i) such dangerous goods as are permitted to be carried by such ships under the relevant provisions made in the Dangerous Goods Code ;
- (ii) any explosives the total weight of which does not exceed 9 K. gms. ;
- (iii) distress signals for use in ships or aircrafts, if the total weight of the consignment does not exceed one tonne ; and
- (iv) fireworks set out in the second schedule.

(b) Any distress signals or fireworks carried in a passenger ship in pursuance of sub-clauses (iii) and (iv) of clause (a) shall be stowed under the supervision of a person appointed for the purpose by the master of the ship.

(c) Passenger ships shall not take any dangerous goods specified in the Fourth Schedule on board for carriage in those ships if those goods are of a kind not permitted for such

carriage by an order issued by the Central Government having regard to—

- (i) the season of the year ;
- (ii) temperature variations which the ships may encounter on the voyage ;
- (iii) number of passengers on board ; and
- (iv) such other factors of safety as it may deem fit to take into account.

11. Laboratory Chemicals and Medicinal Preparations.—Notwithstanding anything contained in these rules, small quantities of laboratory chemicals or medicinal preparations may be carried on board any ship to which these rules apply provided that the requirements specified in the third Schedule are fully complied with.

Explanation.—For the purposes of this rule, any dangerous chemical shall be treated to be in limited quantity if and only if the quantity of that chemical is limited to the extent authorised or approved by the Central Government or by any other person authorised by it in this behalf.

12. Application of rules.—No dangerous goods shall be carried in any ship unless—

- (a) in the case of a safety convention ship, the goods are being carried in accordance with the law relating to the carriage of such goods of the country in which the ship is registered and all the provisions of that law, in so far as the same are applicable, have been complied with ; or
- (b) in the case of any other ship the provisions of these rules which would have been required to be complied with if the goods had been taken on board in India have been complied with.

Provided that the Central Government may exempt any ship from the requirements of these rules which are required to have been complied with in the case of that ship by virtue of clause (b) if it is satisfied that the requirements of the law relating to the carriage of dangerous goods by sea of the country in which the ship is registered have been complied with and that such requirements are no less effective than the corresponding requirements of these rules.

13. Penalties.—Every owner, master or agent of a ship who contravenes any provision of these rules or fails to comply with any provision thereof which it is his duty to comply shall be punishable with imprisonment which may extend to two years or with fine which may extend to ten thousand Rupees or with both and if the offence is a continuing one with further fine which may extend to fifty rupees for every day after the first during which the contravention continues.

### FIRST SCHEDULE

[See rule 5 (3) (b)]

Form of Application for Shipping Space For the Carriage of Dangerous Goods by sea.

From :

To

Owners/Agents of the carrier M.V./M.S./S.S. Please confirm acceptance of the following goods for shipment per M.V./M.S./S.S. ....from.....to..... The following information regarding the consignment in question is furnished which is certified to be correct.

Shipping mark forwarding mark and destination/ Address	Number of Package	Description of packages	Name of substance (with flash point if any).	Nett weight of the contents	Gross weight of the package	Class No. of the substance or Label facsimile	United Nations Number of the substance	Supple- mentary information, if any
---	-------------------------	-------------------------------	---	--------------------------------------	--------------------------------------	---	--	--

It is certified that the goods are packed in a manner adequate to with stand the ordinary risks of handling and transport by sea having regard to the nature of the goods and the package(s) are labelled or stencilled on the outside to indicate the identity of the goods and the nature of the danger they are likely to give rise to the foregoing having been done in accordance with the relevant requirements of the International Convention for the Safety of Life at Sea, 1960.

Signature on behalf of  
Name and address of Consignor.

## SECOND SCHEDULE

[See 10(2)(a)(iv)]

## Fire Works

1. Amorges or paper caps for toy pistols.
2. Aluminium Torches.
3. Chinese Crackers not exceeding 3 inches in length and 1/2 inch in diameter.
4. Flower pots or Fountains.
5. Germs.
6. Lances.
7. Magnesium Torches.
8. Maroons (other than Aerial Maroons) not exceeding 4 ozs. in gross weight or 4 inches in length.
9. Pharaoh's Serpents or Cobra Eggs.
10. Roman Candles.
11. Sparklers.
12. Squibs.
13. Serpents.
14. Wheels.
15. Wonder Candles.

The above fireworks other than Amorges should not contain their own means of ignitions.

## THIRD SCHEDULE

(See rule 11)

Requirements for the carriage of Laboratory Chemicals and Medicinal Preparations in Limited Quantities.

1. 1. General.—(1) The restrictions and relaxations provided for by this Schedule apply only to laboratory chemicals and medicinal preparations and do not apply to toilet preparations. Cosmetics, perfumery products or to substances intended for use other than as laboratory chemicals or medicinal preparations.

(2) Cases tendered for shipment in compliance with the provisions of this Schedule may contain one chemical or medicinal substance only or a variety of such substances provided that the carriage of such substances by any ship or any class of ships is not expressly prohibited by these rules, and that they are adequately packed in compliance with the relevant provisions of the Dangerous Goods Code.

2. Stowage.—Cases tendered for shipment under the provisions of this Schedule may be stowed under deck. When so stowed, they should, where possible, have top stowage and be readily accessible for fire fighting purposes. Inflammable liquids shall not be stowed in the same place unless such stowage is permitted under the Dangerous Goods Code. Such cases may also be stowed on deck. If the consignment contains any inflammable liquids it should be separated from explosives by the engine room and boiler spaces. If any inflammable liquids are included in the consignment, such cases and explosives should be stowed in a separate holds.

3. Limitation of quantity.—(1) Solids : A quantity of not more than 5-1/2 k. gms. may be packed in any one inner container but if a lower limit is expressly provided for any solid substance in the Dangerous Goods Code, that limit shall prevail.

(2) Liquids : A quantity of not more than 3 litres may be packed in any one immediate container but if a lower limit is expressly provided for any liquid substance in the Dangerous Goods Code, that limit shall prevail.

(3) Gross weight : Gross weight of any one case shall not exceed 50 K. gms.

(4) Total Gross Weight : Total gross weight of such cases which may be stowed under deck in passenger ships shall not exceed 25 tonnes.

(5) When the material is in the form of tablets or when it is packed in sealed containers such as ampoules or capsules each of which contains not more than 15 grammes net, the nett quantity permissible under paragraph (1) of this paragraph may be doubled.

4. Incompatibility of substances packed in one case.—It is possible that interior packages contained in a case may include substances liable to react dangerously and cause either—

- (i) evolution of considerable heat or combustion ;
- (ii) evolution of inflammable or poisonous gas ; or
- (iii) the formation of a corrosive liquid.

Substances which are liable to react dangerously shall be well isolated from each other. Substances packed together in one case shall be selected and packed in appropriate and effective closed containers with suitable absorbent or protective material so as to prevent the danger of reaction of one substance with another. In particular, such selection must conform to any prohibitions prescribed in this regard in the Dangerous Goods Code.

5. Certificate of compliance.—Consignments tendered for shipment under the provisions of this Schedule shall, in addition to any other requirements of these rules, be accompanied by a certificate signed by the shipper certifying the compliance with the requirements of this Schedule.

Note:—A specimen of the certificate is shown at the end of this Schedule.

6. Labelling.—Every consignment tendered for shipment under the provisions of this Schedule shall be labelled in accordance with the requirements of these rules.

7. Chlorates.—(1) In the case of chlorates, immediate containers shall be surrounded by resilient non-organic material and packed in a separate intermediate container of non-organic material distinct from the outer container. Not more than one kilogramme may be packed in one intermediate container. No cotton wool or organic material other than a small waxed card wad may be in contact with the chlorate except as provided for in sub-paragraph (2).

(2) If the chlorate is in tablet form, with or without a suitable binding agent, and is packed in bottles each containing not more than 170 grammes of chlorate, cotton wool may be used in sufficient quantity to prevent appreciable movement of the tablets within the bottle. The bottles may be packed in cardboard cartons in a separate intermediate container distinct from the outer case. Not more than 1 K. gm. of chlorate may be packed in one intermediate container and not more than 5-1/2 K. gms. in each case.

8. Inflammable liquids.—(1) Inflammable liquids with a flash point below 23°C shall not exceed 5.8 litres in net weight in any one case, except as provided for in sub-paragraph (2).

(2) When any inflammable liquid with a flash point below 23°C consists solely of alcohol or alcoholic solution or tincture, the flash point of which is not below 15.5°C such liquid may be carried under deck provided that not more than 3 litres are contained in immediate container and that no case contains more than 45 litres.

9. Air space and Packing.—(1) Where air spaces or methods of packing are recommended in the Dangerous Goods Code for any substances, such air space or method shall also apply to shipment made under the provisions of this Schedule except that where quantitative restrictions are prescribed both in the Dangerous Goods Code and this Schedule, the lower of the two shall prevail.

## CERTIFICATE OF COMPLIANCE

(See paragraph 5)

WITH THE REQUIREMENTS OF THE THIRD SCHEDULE FOR THE CARRIAGE OF DANGEROUS GOODS AND EXPLOSIVES IN SHIPS IN RESPECT OF CASES CONTAINING LABORATORY CHEMICALS OR MEDICINAL PREPARATIONS OR BOTH IN LIMITED QUANTITIES.

## SHIPPING MARK :—

## Cases Nos.

We hereby certify that each of the above cases is packed in entire compliance with the provisions of the Third Schedule to the Merchant Shipping (Carriage of Dangerous Goods) Rules, 1978, in respect of carriage in ships of cases containing consignments of laboratory chemicals or medical preparations or both, in limited quantities, and, inter alia, that :—

- (1) The cases contain substances intended for laboratory or medicinal use only.
- (2) No substance prohibited by these rules is included in any of the cases.
- (3) Where any substance is by the aforesaid rules restricted as to quantity, no such substance is present in any immediate container or in any case or in this consignment in a greater quantity than is permitted by the said rules.
- (4) In none of the above numbered cases are present any two or more substances which by the restrictions imposed in paragraph 4 of the said rules are prohibited from being packed in the same case.
- (5) That the packing material, absorbent material, or insulating material used for packing each case is such as is suitable and by the said rules not prohibited in relation to the substances packed in each case.
- (6) No cases exceeds 50 K. gms. gross weight.

[F. No. 5-MSR(1)/73-MA]

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर, 1978

सांख्यिकी 1317—केन्द्रीय सरकार, वाणिज्य पोत परिवहन प्रधिनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 458 की उपधारा (2) के खंड (ख) के साथ पठित 289 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, वाणिज्य नौवहन (समुद्र में टक्करों का निवारण) विनियम, 1975 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन विनियमों का नाम वाणिज्य नौवहन (समुद्र में टक्करों का निवारण) प्रथम संशोधन विनियम, 1978 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. वाणिज्य नौवहन (समुद्र में टक्करों का निवारण) विनियम, 1975 से संलग्न अनुसूची में,—

- (1) नियम 3 में, खण्ड (छ) के उपखंड (vi) के स्थान पर निम्नलिखित उपखंड रखा जाएगा, अर्थात् :—

“नौकर्षण कार्य में लगा जलयान जो नौकषित किए जाने वाले जलयान और निजी नौकर्षण को उनके अनुसरण मार्ग से विचलित होने से तीव्रता से रोकता है।”

- (2) नियम 16 में, “इन नियमों द्वारा” शब्दों का लोप किया जाएगा।

- (3) नियम 17, पैरा (क) के खंड (1) में, “इन नियमों के किसी नियम द्वारा” शब्दों का लोप किया जाएगा।

- (4) नियम 22 के पैरा (क) के अन्त में निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा :—

“सफेद, लाल, हरी या पीली गोल बत्ती 3 मील”

- (5) नियम 24 के पैरा (ब) में “एक समूह में नौकषित” शब्दों के स्थान पर “एक समूह में एक साथ नौकषित” शब्द अंतःस्थापित किए जाएंगे।

- (6) नियम 26 के पैरा (ब) में “लगा जलयान” के स्थान पर “लगे अन्य जलयान” और “प्रदर्शित कर सकेगा” के स्थान पर “प्रदर्शित कर सकेंगे।”

- (7) नियम 38 के पैरा (ब) में “खंड 3(ख)” के स्थान पर “खंड 2(छ) और 3(ख)” पढ़ रखे जाएंगे।

[सं० 5-एम एस आर (12)/78 एम ए]

के० लाल, प्रवर सचिव

New Delhi, the 24th October, 1978

G.S.R. 1317.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 285 of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Merchant Shipping (Prevention of Collisions at Sea) Regulations, 1975, namely :—

1. (1) These Regulations may be called the Merchant Shipping (Prevention of Collisions at Sea) Amendment Regulations, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule appended to the Merchant Shipping (Prevention of Collisions at Sea) Regulations, 1975—

- (i) in clause (g) of rule 3, for sub-clause (vi), the following sub-clause shall be substituted, namely :—

“(vi) A vessel engaged in a towing operation such as severely restricts the towing vessel and her tow in their ability to deviate from their course.”;

- (ii) in rule 16, the words “by these Rules” shall be omitted;

- (iii) in rule 17 in sub-paragraph (i) of paragraph (a), the words “by any of these Rules” shall be omitted;

- (iv) in rule 22, in paragraph (a), the following shall be inserted at the end, namely :—

“... a white, red, green or yellow all round light, 3 miles.”;

- (v) in rule 24, in paragraph (f), after the word “towed”, the word “alongside” shall be inserted;

- (vi) in rule 26, in paragraph (d), after the words “other vessels”, the words “engaged in fishing” shall be inserted;

- (vii) in rule 38, in paragraph (f), for the expression “Section 3(b),” the expression “Sections 2(g) and 3(b)” shall be substituted.

[No. 5-MSR/12/78-MA]

K. LALL, Under Secy.

## संचार मंत्रालय

नई दिल्ली, 13 सितम्बर, 1978

सांकांनि० 1318—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति, संचार मंत्रालय, वरिष्ठ विश्लेषक (कार्य अध्ययन) नियम, 1973 में संशोधन करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम संचार मंत्रालय वरिष्ठ विश्लेषक (कार्य अध्ययन) भर्ती (संशोधन) नियम, 1978 है।

(2) ये नियम राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. संचार मंत्रालय के वरिष्ठ विश्लेषक (कार्य अध्ययन) भर्ती नियम, 1973 की अनुसूची के स्थान पर निम्न अनुसूची जोड़ी जाएगी—

## अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	अथवा अन्य पद अध्ययन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
वरिष्ठ विश्लेषक (कार्य अध्ययन)	1	सां के० सेवा समूह 'क' राजपत्रित	1100-50-1600-२०	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की वशा में लागू होंगी या नहीं	परिबीक्षा की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की वशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाना है	प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा परामर्श किया जाएगा	
8	9	10	11	12	13	
लागू नहीं	लागू नहीं	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा (जिसमें अस्थावधि संविदा शामिल है)	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : (जिस में अस्थावधि संविदा शामिल है) केन्द्रीय सरकार के अधीन सदुप पद के धारक अधिकारी, अथवा क्रमशः 700-1300/650-1200 अथवा समकक्ष वेतनमान वाले पदों पर 5/8 वर्ष की नियमित सेवा वाले अधिकारी और ऐसे अधिकारी न मिलने पर राज्य सरकारों अथवा पब्लिक सेक्टर के उपक्रमों से समकक्ष ग्रेड के ऐसे अधिकारियों को भर्ती किया जा सकता है जिनके पास : (क) मान्यता प्राप्त विश्व-विद्यालय की डिग्री, अखि-मानतः इंजीनियरिंग में, अथवा उसके समकक्ष। (ख) सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबंध संस्थान, रक्षा कार्या-ध्ययन संस्थान के कार्य अध्ययन व्यवसायी पाठ्यक्रम/उच्च प्रबंधकीय सेवा पाठ्यक्रम में सफलता-पूर्वक प्रशिक्षण पूरा किया हो अथवा किसी अन्य संस्थान से उस के समकक्ष प्रशिक्षण प्राप्त किया हो।	लागू नहीं होता	केन्द्रीय सरकार के समूह ख के अधि-कारी, राज्य सरकार के अधिकारी और पब्लिक सेक्टर के उपक्रम के अधि-कारी की नियुक्ति करते समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है।	

8	9	10	11	12	13
			अथवा		
			कार्य अध्ययन अथवा संगठन		
			तथा पद्धति अथवा विश्लेष-		
			णात्मक सांख्यिकी अथवा		
			प्रचालन अनुसंधान अथवा		
			प्रबंधकीय अनुसंधान तकनीकों		
			में तीन वर्ष का अनुभव		
			प्राप्त हो।		
			(प्रतिनियुक्ति/संबिदा की अवधि		
			साधारणतया 6 वर्ष से		
			अधिक नहीं होगी।)		

[संख्या ए०-12018/4/78-प्रशासन]

नूतन वेब, अवर सचिव

## MINISTRY OF COMMUNICATIONS

New Delhi, the 13th September, 1978

**G.S.R. No.1318.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Ministry of Communications Senior Analyst (Work Study) Recruitment Rules, 1973, namely :

1. (i) These rules may be called the Ministry of Communications Senior Analyst (Work Study) Recruitment (Amendment) Rules, 1978.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. In the Ministry of Communications Senior Analyst (Work Study) Recruitment Rules, 1973, for the Schedule, the following Schedule shall be substituted, namely :—

## SCHEDULE

Name of Post	No. of Posts	Classification	Scale of Pay	Whether Selection post or Non-selection Post	Age Limit for direct recruits	Educational & other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Senior Analyst (Work Study)	1	General Central Service Group 'A' Gazetted	Rs. 1100-50-1600.	Not applicable	Not applicable	Not applicable
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment, whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/Deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists, what is its composition	Circumstances in which U.P.S.C. is to be consulted in making recruitment	
8	9	10	11	12	13	
Not applicable	Not Applicable	By transfer on deputation (including short-term contract).	Transfer on deputation (including short-term contract) Officers holding analogous posts or with 5/8 years' regular service in posts in the scale of Rs. 700-1300/ Rs. 650-1200 respectively or equivalent under the Central Govt. failing which officers of equivalent grades	Not applicable	Consultation with the Union Public Service Commission shall be necessary while appointing a Group 'B' officer of the Central Government, State Government or an officer from a Public Sector Undertaking to the Post.	

from State Governments or Public Sector Undertaking.

They should have :—

- (a) Degree, preferably in Engineering, of a recognised University or equivalent,
- (b) Successfully completed training in the Work Study Practitioners' Course/Advance Management Services Course of the Institute of Secretariat Training and Management, Defence Institute of Work Study or equivalent training in any other Institution.

Or

Have at least 3 years' experience in the application work study or Organisation and Methods or Analytical or Statistical or Operations Research or other management research techniques. (Period of deputation/contract shall ordinarily not exceed six years).

[No. A-12018/4/78-Admn.]

NUTAN DEVA, Under Secy.

#### कर्म सञ्चालन

नई दिल्ली, 22 अगस्त, 1978

#### MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 22nd August, 1978

सां. कां. वि० 1319.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रयुक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, प्रशिक्षण निदेशालय (लुधियाना स्थित केन्द्रीय अनुदेशक प्रशिक्षण संस्थान की यूनिट और उससे संबद्ध आदर्श प्रशिक्षण संस्थान) वर्ग 3 पर भर्ती नियम, 1974 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम प्रशिक्षण निदेशालय (लुधियाना स्थित केन्द्रीय अनुदेशक प्रशिक्षण संस्थान की यूनिट और उससे संबद्ध आदर्श प्रशिक्षण संस्थान) वर्ग 3 पर भर्ती (संशोधन) नियम, 1978 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. प्रशिक्षण निदेशालय (लुधियाना स्थित केन्द्रीय अनुदेशक प्रशिक्षण संस्थान की यूनिट और उससे संबद्ध आदर्श प्रशिक्षण संस्थान (वर्ग 3 पर भर्ती नियम, 1974 की अनुसूची में, क्रम संख्या 1 से 14, 17, 20, 21, 22, 23, 24, 25, के प्रत्येक के सामने, स्तंभ 6 में, विद्यमान प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित प्रविष्टि अंतःस्थापित की जायेगी, अर्थात्

टिप्पण:—परन्तु बिहित आयु सीमा केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष वर्गों के अभ्यर्थियों के मामले में शिथिल की जा सकेगी।

[संख्या सी० जी० ई० टी०-12(41)/76-टी० ए०-6]

सी० दास चाफला, अधीक्षक

G.S.R. 1319.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the constitution, the President hereby makes the following Rules further to amend the Directorate of Training (the unit of the Central Training Institute for Instructors and Model Training Institute attached thereto at Ludhiana) Class III posts Recruitment Rules, 1974, namely :—

1. (1) These Rules may be called the Directors of Training (the unit of the Central Training Institute for Instructors and Model Training Institute attached thereto; at Ludhiana) Class III posts Recruitment (Amendment) Rules, 1978.

2. They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. In the Schedule to the Directorate of Training (the unit of Central Training Institute for Instructors and Model Training Institute attached thereto at Ludhiana) Class III posts Recruitment Rules, 1974 against each of the serial numbers 1 to 14, 17, 20, 21, 22, 23, 24, 25 under Col. 6 after the existing entry, the following shall be inserted namely:

Note :—Provided that the upper age limit prescribed may be relaxed in the case of candidates belonging to Scheduled Castes or Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with orders issued from time to time by the Central Government.

[No. DGET-12(41)/76-TA-VI]

D. DAS CHAUFULA, Under Secy.